सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 140 | जौनपुर, गुरूवार, 15 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

किसानों के खिलाफ कार्रवाई असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा – गहलोत

राजस्थान, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून बनाने की मांग कर रहे किसानों पर आंसू गैस के गोले दागना और पानी की बौछारें करना असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह किसानों के समर्थन में खड़ी है। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा ''एक तरफ केन्द्र सरकार चौधरी चरण सिंह एवं एम.एस. स्वामीनाथन को भारत रत्न देती है और दूसरी तरफ इन्हीं दो को आदर्श मानकर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून बनाने की मांग कर रहे किसानों पर आंसू गैस के गोले दाग रही और पानी की बौछारें कर रही है। यह असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा है।'' उन्होंने पोस्ट में कहा ''जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो वह खुद एमएसपी कानून की वकालत करते थे, लेकिन अब वह एमएसपी की मांग कर रहे किसानों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी नहीं करने देना चाहते हैं। यह किसानों के मुद्दों पर राष्ट्रीय जनतांत्रित गठबंधन सरकार के दोहरे चरित्र को दर्शाता है। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने घोषणा की है कि केंद्र में सरकार बनी तो स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक एमएसपी की गारंटी देंगे। उन्होंने कहा, '' यह कदम किसान परिवारों की समृद्धि के लिए बेहद जरूरी है।

आप नेता संजय सिंह ने जमानत के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) नेता संजय सिंह ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है, जिसमें दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। उच्च न्यायालय ने सात फरवरी को सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, लेकिन निचली अदालत को सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया था। सिंह दिल्ली से राज्यसभा के लिए फिर से निर्वाचित हुए हैं। उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका अधिवक्ता विवेक जैन और रजत भारद्वाज के माध्यम से दायर की गई है। अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि जमानत देने के इस चरण में सरकारी गवाह बने दिनेश अरोड़ा के बयान की स्वीकार्यता के मुद्दे की पड़ताल नहीं की जा सकती है और इसकी पड़ताल सुनवाई के दौरान की जाएगी। अदालत ने कहा था कि सरकारी गवाह अरोड़ा और गवाहों के बयान सहित सिंह के खिलाफ उपलब्ध तथ्यों को देखते हुए इस स्तर पर राहत नहीं दी जा सकती।

सरकार हर समाधान के लिए तैयार - कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसान नेताओं से आम नागरिकों की परेशानी को कम करने के लिए सहयोग के साथ ही बातचीत करने का आग्रह किया है। नए कानून के निर्माण को लेकर बहुत सारी ऐसी बातें हैं, जिन पर सरकार किसान संगठनों से चर्चा करना चाहती है। कृषि मंत्री ने किसान नेताओं के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग से बातचीत के बाद पूरी तस्वीर को साफ किया है। इस बीच, केंद्र सरकार की ओर से मांगों पर बातचीत का संदेश मिलने के बाद किसान नेता तीसरी बार बातचीत के लिए तैयार हो गए हैं। उनकी सरकार के कई मंत्रियों के साथ गुरुवार को शाम पांच बजे चंडीगढ़ में बैठक होगी। अर्जुन मुंडा ने कहा कि बातचीत के जरिये समाधान निकालने के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है, लेकिन किसान संगठन समस्याओं का समाधान करने की बजाय उन्हें और बढ़ा रहे हैं। ऐसा कर वे लोगों के लिए परेशानी पैदा कर रहे हैं।

किसानों से बातचीत के लिए बनेगी कमेटी?

किसानों से बातचीत के लिए क्या कोई नई कमेटी बनेगी, इस पर कृषि मंत्री ने कहा कि हम भरोसा दिलाना चाहते हैं कि सरकार इसमें पीछे नहीं है। लेकिन, जब कानून बनाने की बात आती है तो ऐसे सभी विषयों को ध्यान में रखना भी जरूरी है, जिससे कोई कठिनाई न हो और जो भी हम करना चाहते

हैं वह अच्छे ढंग से हो। अर्जुन मुंडा ने कहा कि हमें इस पर चर्चा करने की जरूरत है कि अच्छे के लिए क्या हो सकता है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी जब ऐसी बातें सामने आईं तो किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की बात हुई, लेकिन संगठनों के प्रतिनिधियों ने इसमें विशेष योगदान नहीं दिया। अब समय बीत चुका है। कम से कम आने वाले समय के लिए हमें साथ मिलकर काम करना चाहिए।

भविष्य में हम एक छोटा समूह बनाएंगे

आइए, किसान संगठनों के साथ चर्चा करें और एक ऐसा माहौल बनाएं जिससे इस समस्या का समाधान हो और हम इन सभी मुद्दों पर आम सहमति कैसे बना सकें। उन्होंने बताया कि पिछली जो कमेटी बनी थी, उसमें किसान संगठनों के कुछ प्रतिनिधियों ने अपना नाम नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि भविष्य में हम एक छोटा समूह बनाएंगे और इसे समिति नहीं कहेंगे। एक समूह जिसमें किसान एक संगठन के माध्यम से अपनी बात रखेंगे। विशेषज्ञ अन्य पक्षों को भी ध्यान में रखते हुए इन सभी मुद्दों पर गंभीरता से विचार करेंगे। मुंडा ने कहा कि यह सभी राज्यों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने–अपने क्षेत्र के किसानों के हितों के बारे में सोचें।किसान संगठन एक संयुक्त समूह है। शुरुआत में 10 लोग थे, लेकिन उसके बाद कई लोग जुड़ गए। हमें इससे कोई आपत्ति नहीं है। हमने कहा है कि जो भी रचनात्मक और सकारात्मक सोच के साथ अपनी बात रखना चाहेगा, हम उससे बात करेंगे। हर किसी को समाधान खोजना होगा। हम पूरी तरह से आश्वासन देना चाहते हैं कि सरकार इसमें देरी नहीं कर रही है। केंद्र सरकार से बातचीत का संदेश मिलने के बाद किसान नेता तीसरी बार बातचीत के लिए लिए तैयार हो गए हैं। उनकी केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल, कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय से गुरुवार शाम पांच बजे चंडीगढ़ के महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक एडमिस्ट्रेशन में बैठक होगी। राजपुरा की एसडीएम जसलीन कौर भुल्लर और इंटेलीजेंस के एडीजीपी जसकरण सिंह ने बंद कमरे में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा की संयुक्त किसान मोर्चा गैरराजनीतिक के जगजीत सिंह डल्लेवाल, किसान मजदूर संघर्ष समिति के महासचिव सरवन सिंह पंधेर से बातचीत कराई। बाद में किसान नेताओं ने प्रेस कान्फ्रेंस में बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र ने मंगलवार को हमें बातचीत के लिए संदेश भेजा था। हमने केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की बात भी अखबारों में पढ़ी कि केंद्र सरकार किसानों के पक्ष में है। इसके बाद हमने संगठन के लोगों से बात की कि बैठक की जाए कि नहीं।

सुरक्षा के समृद्धि और खुशहाली डबल इंजन सरकार की गारंटी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सुरक्षा के बेहतर वातावरण के साथ समाज के हरेक तबके की समृद्धि और खुशहाली ही भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार की गारंटी है। यही मोदी जी की गारंटी है और इस गारंटी को पूरा करने के सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार लोगों को सुरक्षा और सम्मान देने के साथ उन्हें स्वावलंबी भी बना रही है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की हकीकत जानने और योजनाओं के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए देश स्तर पर शुरू हुए गांव चलो अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी गांव में चौपाल लगाई। बुधवार को गोरखपुर के रजही आजादनगर (वनटांगिया गांव) पहुंचकर उन्होंने घर–घर दस्तक दी। ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें मिले लाभ के बारे में जानकारी ली। बच्चों पर प्यार लुटाया, उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा और चॉकलेट गिफ्ट कर खूब पढ़ने, आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया। लाभार्थियों से संवाद के बाद मुख्यमंत्री ने रजही में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार आने के बाद देश और प्रदेश में व्यापक परिवर्तन हुआ है। 2014 के पहले गांव को कोई पूछता नहीं था। गरीबों के बारे में कोई सोचने वाला नहीं था। महिलाओं के बारे में कोई बोलता नहीं था। नौजवानों का हाल–चाल लेने वाला कोई नहीं था। किसान तबाह था, गरीब भूखों मरता था, किसान आत्महत्या करता था। उन्होंने कहा कि जबकि आज गांव, गरीब, किसान, महिला, नौजवान समेत समाज के हरेक तबके के लिए सरकारी योजनाएं बेहद प्रभावी ढंग से आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि अकेले उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ने 55 लाख 83 हजार लोगों को एक–एक आवास उपलब्ध कराया है। ये आवास 2014 के पहले भी मिल सकता था लेकिन इन गरीबों को आवास नहीं मिल पाया। 2 करोड़ 63 लाख से अधिक गरीबों को एक–एक शौचालय मिला। प्रदेश में 15 करोड लोग फ्री में राशन की सुविधा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। 10 करोड लोगों को आयुष्मान भारत योजनाकी सुविधा का लाभ अकेले उत्तर प्रदेश में प्राप्त हो रहा है। हर योजना का लाभ हर गरीब तक पहुंचाने के लिए सरकार के द्वारा कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रामीणों को यह भी बताया कि योजनाओं का लाभ देने के साथ ही सरकार सरकार एक नया कार्ड यानी फैमिली आईडी कार्ड जारी करने वाली है। हम फैमिली आईडी कार्ड हर परिवार को देंगे।

किसान आंदोलन में भाग लेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का दूसरा चरण, जो बुधवार को शुरू होने वाला था, रद्द कर दिया गया है। पार्टी के एक नेता ने इस बात की जानकारी दी है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि यह रद्दीकरण तब हुआ जब वरिष्ठ कांग्रेस नेता राष्ट्रीय राजधानी में किसानों के आंदोलन में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचे। हालांकि, खबर यह भी है कि राहुल गांधी सोनिया गांधी के राज्यसभा नामांकन के दौरान भी मौजूद रहेंगे। गढ़वा जिले के रंका में मनरेगा श्रमिकों के साथ निर्धारित बातचीत अब वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश और अन्य पार्टी नेताओं द्वारा की जाएगी। राहुल गांधी राज्य में अपनी यात्रा के दूसरे चरण के लिए बुधवार को छत्तीसगढ़ से गढ़वा जिले के माध्यम से झारखंड में फिर से प्रवेश करने वाले थे। कांग्रेस प्रवक्ता सोनल शांति ने बताया कि मंगलवार देर रात लिए गए फैसले के मुताबिक, झारखंड में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत सभी कार्यक्रम रद्द कर दिये गये हैं। राहुल गांधी ने किसानों के दिल्ली चलो मार्च के दौरान कथित तौर पर पुलिस कार्रवाई में घायल हुए एक किसान से बुधवार को फोन पर बात की और इस आंदोलन के प्रति अपना समर्थन जताया। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविंदर सिंह राजा वडिंग ने राजपुरा स्थित एक अस्पताल के दौरे पर गए जहां से उन्होंने फोन पर राहुल गांधी की बात घायल किसान गुरमीत सिंह से करवाई।

भाजपा तानाशाही तरीके से काम कर रही, स्टालिन ने केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का लगाया आरोप

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की और इसकी तुलना एडॉल्फ हिटलर जैसे तानाशाह से की। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के कैडर को लिखे पत्र में स्टालिन ने कहा कि भाजपा तानाशाही तरीके से काम कर रही है और तमिलनाडु जैसे राज्यों के अधिकार और शक्तियां छीन रही है, जहां वह कभी नहीं जीत सकती। द्रमुक अध्यक्ष ने भाजपा पर किसी भी प्रकार की असहमति या विरोध को दबाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि इन एजेंसियों का इस्तेमाल सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ आंदोलनों को कुचलने के लिए किया जा रहा है। स्टालिन ने कहा कि भाजपा इस तरह से काम कर रही है कि वह उन राज्यों में कानूनी संकट पैदा करके संविधान का अपमान कर रही है जहां वे सत्ता में नहीं हैं और कठपुतली राज्यपालों का उपयोग करके समस्याएं पैदा कर रही हैं। एमके स्टालिन ने भारत की चुनावी प्रणाली के भाग्य का निर्धारण करने में 2024 के लोकसभा चुनावों के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव इस बात का अंतिम जवाब देंगे कि क्या भारत में चुनाव प्रणाली जारी रहेगी, क्या लोगों के वोट देने के अधिकार का सम्मान किया जाएगा, क्या लोकतंत्र और संविधान जारी रहेगा, और क्या देश में विविधता और राज्य के अधिकार बचे रहेंगे। अपने पत्र में आगे, डीएमके प्रमुख ने घोषणा की कि उनकी पार्टी 16, 17 और 18 फरवरी को तमिलनाडु और पुडुचेरी के सभी संसदीय क्षेत्रों में अधिकार पाने के लिए स्टालिन की आवाज शीर्षक से सार्वजनिक बैठकें आयोजित करेगी।

पुलवामा हमले की 5वीं बरसी पर पीएम नरेंद्र मोदी ने दी जवानों को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर में श्रीनगर के पुलवामा में 14 फरवरी 2019 को हुए आतंकी हमले को आज पांच साल पूरे हो गए हैं। उस हमले में जैश–ए–मोहम्मद के आतंकी आदिल अहमद डार ने 350 किलो विस्फोटक से भरी बस से भिड़ा दी थी। इस हमले में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के 40 जवान शहीद हो गए थे। आज पुलवामा आतंकी हमले की 5वीं बरसी है। लेकिन आज भी इस हादसे की कहानी सुनकर भारतीय लोगों की रूह कांप जाती है।

जवानों को श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पुलवामा हमले में शहीद होने वाले जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने एक्स पर

पोस्ट कर कहा, मैं पुलवामा में शहीद हुए वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हमारे राष्ट्र के लिए उनकी सेवा और बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

14 फरवरी भारत के लिए काला दिवस

आतंकवादियों की इस कायराना हरकत से हर भारतीय की आंखे नम हो गई थीं और इस हमले ने पूरे देश को अंदर से हिलाकर रख दिया था, लेकिन इसका बदला भारतीय सेना पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक कर लिया। इस हमले को पुलवामा अटैक के नाम से भी जाना जाता है। सीआरपीएफ के काफिले में करीब 60 से ज्यादा वाहन शामिल थे और इनमें 2 हजार 547 जवान मौजूद थे। 14 फरवरी 2019 के दिन जब सीआरपीएफ का काफिला जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवंतीपोरा में गोरीपोरा के पास पहुंचा तो जैश–ए–मोहम्मद के आतंकियों ने पुलवामा जिले में विस्फोटक से भरी कार ने सीआरपीएफ जवानों की बस से भिड़ाकर निशाना बनाया था। इस कारण जोरदार धमाके में 40 जवान शहीद हो गए थे। धमाका इतना तेज था कि बस के भी चिथड़े उड़ गए। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश–ए–मोहम्मद ने ली थी।

राज्यसभा से आए ये सात केंद्रीय मंत्री लड़ सकते हैं लोकसभा चुनाव

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा से केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल सात मंत्री लोकसभा चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। इनका कार्यकाल अप्रैल में खत्म हो रहा है और पार्टी ने इन्हें राज्यसभा का टिकट नहीं दिया है। राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त होने वाले सिर्फ दो मंत्रियों अश्विनी वैष्णव और एल मुरुगन को टिकट दिया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष इस बार हिमाचल प्रदेश के बजाय गुजरात से राज्यसभा में आएंगे।

इन सात पर चला दांव

राज्यसभा की कुल खाली हो रही 56 सीटों के लिए 27 फरवरी को मतदान होना है। राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त होने वाले जिन केंद्रीय मंत्रियों को फिर से उच्च सदन में नहीं भेजा जा रहा है कि उनमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, श्रम तथा पर्यावरण व वन मंत्री भूपेंद्र यादव, सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर, विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन, पशुपालन व मत्स्य मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला और मध्यम, लघु व सूक्ष्म उद्योग मंत्री नारायण

राणे शामिल हैं।

मांडविया की टिकट पक्की

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने पहले ही राज्यसभा के रास्ते मंत्रिमंडल में आने कई मंत्रियों के लोकसभा में चुनाव लड़ने के संकेत दे दिया था। इसे देखते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने पहले से ही ओडिशा से लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी थी। इसी तरह से मनसुख मांडविया को गुजरात में लोकसभा का टिकट दिया जाएगा।

भूपेंद्र यादव को राजस्थान या हरियाणा से टिकट

केरल में पैर जमाने की कोशिश कर रही पार्टी राजीव चंद्रशेखर और वी मुरलीधरण को मैदान में उतार सकती है। दोनों केरल से ही आते हैं। इसी तरह से नारायण राणे महाराष्ट्र, पुरुषोत्तम रुपाला का गुजरात से लोकसभा चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। वहीं भूपेंद्र यादव को राजस्थान या हरियाणा से टिकट दिया जा सकता है। इसके अलावा इस साल के अंत तक कार्यकाल पूरा करने वाले कई राज्यसभा सांसदों और मंत्रियों को भी लोकसभा मैदान में उतार सकती हैं।

भाजपा को नए चेहरों पर ज्यादा भरोसा

भाजपा ने राज्यसभा के टिकट में पुराने के बजाय नए चेहरों पर ज्यादा भरोसा किया है। पार्टी ने कुल 28 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जिनमें केवल चार ही ऐसे हैं जो पहले से राज्यसभा सदस्य हैं। बाकी 24 नए चेहरे हैं। टिकट पाने वाले चार राज्यसभा सदस्यों में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, सूचना व प्रौद्योगिकी तथा रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव, सूचना व प्रसारण राज्यमंत्री एल मुरुगन और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी हैं।

गहलोत सरकार के फैसलों की समीक्षा के लिए पैनल गठित

राजस्थान, एजेंसी। राजस्थान में पिछले कांग्रेस प्रशासन के निर्णयों और योजनाओं की समीक्षा करने और उन्हें जारी रखा जाना चाहिए या नहीं, इसकी सिफारिश करने के लिए एक कैबिनेट उप–समिति का गठन किया गया है। महिलाओं के लिए मुफ्त मोबाइल फोन, राशन किट का वितरण और नए जिलों का गठन समीक्षा किए जाने वाले मामलों में से हैं। समिति ने मंगलवार को अपनी पहली बैठक की और 16 विभागों के फैसलों पर चर्चा की। पैनल के प्रमुख स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि बैठक में छह विभागों के मामलों पर चर्चा की गई। उन विभागों के मंत्री और प्रमुख सचिव पहले उन निर्णयों की जांच करेंगे और फिर वे इसे समिति को भेजेंगे जो उनका अध्ययन करेगी और सिफारिशें देगी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान कथित भ्रष्टाचार

की जांच का वादा किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिसंबर 2023 में राज्य में सत्ता में लौट आई और नए टेंडर और कार्य आदेश जारी करना बंद कर दिया। समिति तय दरों से अधिक दरों पर जारी किए गए सभी टेंडरों की जांच कर रही है। मामले से वाकिफ लोगों ने बताया कि सार्वजनिक निर्माण, जलदाय, बिजली, महिला एवं बाल विकास और आईटी विभाग के सभी बड़े टेंडरों की जांच शुरू हो गई है।

संपादकीय

संजीवय्या को याद करते हुए

मैंने उन्हें केवल एक बार देखा था और वह पांच दशक से भी पहले, मेरे पैतृक गांव रेंटाचिंतला में मेरी शुरुआती स्कूली शिक्षा के दौरान था। एक लॉरी के हुड पर बैठकर, अन्य गणमान्य व्यक्तियों से घिरे हुए, उन्होंने एक विजयी जुलूस का नेतृत्व किया – कृतज्ञता और श्रद्धा का एक शानदार दृश्य। उनकी बांहें फैलाकर सड़क के दोनों ओर उत्साहपूर्ण भीड़ का अभिवादन किया, जिससे गर्मजोशी और स्नेह झलक रहा था। यहां एक ऐसा व्यक्ति था जो सामाजिक–आर्थिक दुर्भाग्य की गहराइयों से बाहर आया था, जो अब गरीब आबादी के लिए आशा और प्रगति की चमकती किरण के रूप में खड़ा है। उन्हें देखने की वह विलक्षण घटना, जो मेरे मन में अमिट रूप से अंकित है, आज भी मुझे विस्मय से भर देती है। यदि मैं अब इस दृश्य को सामने लाऊं, तो जब भी मैं याद करूंगा, उनके मानवतावादी आदर्शों और परोपकारी कार्यों की स्मृति मेरी आत्मा को झकझोर देगी। मैं जिस महान व्यक्तित्व की बात कर रहा हूं वह कोई और नहीं बल्कि दामोदरम संजीवय्या हैं – एक अग्रणी और प्रतिष्ठित नेता, जो आधुनिक भारतीय इतिहास के इतिहास में हमेशा के लिए अंकित हो गए। प्रथम की विरासत उदाहरण के लिए, संजीवय्या की पहली विरासत, जैसे कि दलित समुदाय से आने वाले पहले मुख्यमंत्री या किसी राष्ट्रीय राजनीतिक दल के पहले अध्यक्ष बनना और उनका स्थायी प्रभाव हमारे अटूट सम्मान और शाश्वत स्मरण की मांग करता है। जितना अधिक मैं संजीवय्या की प्रोफाइल में गया, उतना ही मैं जीवन के रहस्यमय नियमों से मोहित हो गया। दंतकथाओं और लोककथाओं में, हम अक्सर सभी बाधाओं के बावजूद असाधारण उपलब्धि हासिल करने की कहानियों का सामना करते हैं, फिर भी वास्तविकता में, ऐसे कारनामे पारंपरिक रूप से अविश्वसनीय लगते हैं। इस रहस्य को सुलझाने का निर्णय लेते हुए, मैंने विभिन्न कोणों से संजीवय्या के अद्वितीय व्यवहार संबंधी गुणों की जांच करने का प्रयास किया, और उन उत्तरों की तलाश की जो अनुरूपवादी ज्ञान को चुनौती देते हैं। मार्सेल प्राउस्ट की अंतर्दृष्टि से प्रेरित होकर कि खोज की वास्तविक यात्रा नए परिदृश्यों की तलाश में नहीं बल्कि नई आँखें रखने में शामिल है, मैंने संजीवय्या की जीवन गाथा को एक नए दृष्टिकोण के साथ देखा है। मैंने डी रामलिंगम और जी वेंकट राजम द्वारा लिखित जीवनी संबंधी सामग्री से पर्याप्त जानकारी एकत्र की। मैंने सी जनार्दन, केएसआर मूर्ति, सीबी श्रीनिवास राव और सीबी नामदेव के साथ अपनी पिछली बातचीत से महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र की। मुझे तत्कालीन मद्रास विधान सभा के सह–विधायक चित्तूरी प्रभाकर चौधरी और उनके घनिष्ठ मित्र पोथुकुची संबाशिव राव के साथ अपनी पुरानी चर्चाएँ भी याद आईं। इस नए लेंस के माध्यम से, मुझे संजीवय्या के अदम्य लचीलेपन और विपरीत परिस्थितियों पर उनकी जीत की गहरी समझ प्राप्त हुई। नई स्पष्टता के साथ, मैंने खुद को उनकी अस्तित्व संबंधी यात्रा और किंवदंतियों और इतिहास के कुछ चुनिंदा इतिहास के बीच समानताएं बनाते हुए पाया, जिनमें से प्रत्येक दृढ़ता की शक्ति और मानव उपलब्धि की क्षमता को प्रतिध्वनित करता है। स्वतंत्रता–पूर्व ब्रिटिश भारत की कठिनाइयों के बीच, सबसे वंचित तबके में से एक में हुआ था। उन्होंने बंद प्रणालीगत परंपराओं में डूबे एक ऐसे समाज का नेतृत्व किया, जहां गतिशीलता सामाजिक–आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण लोगों के लिए एक दूर का सपना थी। ऐसे माहौल में, सफलता अक्सर उन विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लिए आरक्षित लगती है जिनके पास अकेले संसाधनों और अवसरों तक पहुंच होती है। लेकिन संजीवय्या जैसे लोगों का क्या, जो ऐसे फायदों से वंचित हैं? वे सामाजिक कठोरता की बाधाओं से कैसे मुक्त हो सकते थे? यहां तक कि सबसे प्रतिभाशाली और मेहनती व्यक्तियों को भी अवसरों की कमी और दुर्गम अवसरों के कारण अनिश्चितता का सामना करना पड़ा। भारत रत्न और चुनाव 2024 निडर होकर, संजीवय्या ने अपना रास्ता खुद तय किया, बिल्कुल पौराणिक डेडालस की तरह, जिसने खुद के लिए संभावनाएं बनाईं, अवसरों की खोज की और बंदी भूलभुलैया से मुक्ति के लिए उड़ान भरने के लिए पंख गढ़े। एक दूरदराज के गांव से आने वाले, संजीवय्या ने मुक्ति के लिए अपने वाहन के रूप में शिक्षा की शक्ति का उपयोग किया। उनकी कठिन यात्रा उन्हें अनंतपुर और मद्रास ले गई, जहां उन्होंने आत्मविश्वास से अपनी बौद्धिक सूक्ष्मता, व्यापक विश्व अनुभव और पारस्परिक कौशल को निखारा। सार्वजनिक जीवन में अपरिचित क्षेत्रों में उद्यम करते हुए, उन्होंने उन्हें अनुकूल और स्वागत योग्य परिदृश्य में बदल दिया। उन्होंने दूर–दराज के स्थानों में अवसरों की तलाश की और उनका लाभ उठाने के लिए स्वयं को आवश्यक क्षमताओं से सुसज्जित किया। अपनी दृढ़ता के माध्यम से, वह एक साहित्यिक विद्वान, एक प्रबुद्ध स्नातक, एक मेहनती वकील और कुछ ही समय में एक दूरदर्शी राजनेता के रूप में उभरे। अपनी किस्मत खुद बनाने में, संजीवय्या ने रूढ़िवादी और अनम्य बाधाओं पर काबू पाने के लिए अपनी शुरुआती अशांत परिस्थितियों की सीमाओं को पार कर लिया। उच्च पदों पर रहते हुए भी उन्होंने अपनी विनम्रता और मौलिकता को कभी नहीं छोड़ा। जब 7 मई, 1972 को 51 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट के कारण उनका निधन हो गया, तो अगले दिन एक श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसमें भारत में मानव स्थिति की बेहतरी के लिए उनके अमूल्य योगदान के लिए समृद्ध श्रद्धांजलि दी गई। अखबार ने भारत के समाज के हाशिये पर मौजूद वर्गों के हितों के लिए उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हुए बताया कि शहरी केंद्रों में उनकी उपस्थिति बेहतर सामाजिक–राजनीतिक स्थिति का संकेत देने के बावजूद वह अपनी विनम्र जड़ों को कभी नहीं भूले।

कतर में भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

आदित्य

भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत चिंतित भारतीयों, विशेषकर कतर में बंदी पूर्व भारतीय नौसेना के अधिकारियों के परिजनों, ने उनकी रिहाई और देश वापसी से राहत की सांस ली. ये पूर्व सैन्य अधिकारी एक कंपनी के लिए काम करते थे, जो कतर में इतालवी पनडुब्बियों के स्थापित करने की एक परियोजना से जुड़ी हुई थी. इन पर जासूसी करने और इस्राइल को जानकारी देने का आरोप लगाया गया था, पर इस संबंध में कोई ठोस सबूत मुहैया नहीं कराया गया था. दूसरे देशों की कानूनी भाषा और सजा देने की प्रक्रिया की अपनी चुनौतियां होती हैं. भारत ने बहुत अच्छी तरह से कूटनीतिक कोशिश की और कतर की कानूनी प्रक्रिया को पूरा सम्मान दिया. साथ ही, पूर्व नौसैनिकों की रिहाई के लिए भारत उस क्षेत्र के मित्र देशों के संपर्क में भी बना रहा. निचली अदालत द्वारा पूर्व सैनिकों को मौत की सजा देना एक चिंताजनक मोड़ था, जिसके बाद भारतीय जनमानस की ओर से सरकार से पुरजोर कोशिश करने की मांग उठने लगी. ऐसी स्थितियों में बेसिर–पैर की अफवाहों को फैलने का मौका मिल जाता है. कतर के मामले में भी ऐसा ही हुआ. लेकिन जो हुआ, सो अच्छा हुआ, जैसा कि कहा जाता है– अंत भला, तो सब भला. भारत सरकार ने 18 महीने बाद अपने नागरिकों को रिहा करने और वापस भेजने के कतर के अमीर के फैसले के प्रति आभार जताया है. यह प्रकरण भारत सरकार की उस नीति के अनुरूप है, जिसके तहत शांति की स्थिति में विदेशों में भारतीयों को हर संभव सहायता मुहैया कराने या युद्ध क्षेत्रों से उन्हें सकुशल निकालने का संकल्प है. खाड़ी और पश्चिम एशिया के अन्य देशों की तरह भारत और कतर के द्विपक्षीय संबंध भी बहुआयामी हैं. करीब साढ़े आठ लाख भारतीय कतर में कार्यरत हैं और उस क्षेत्र में कतर उन शुरुआती देशों में हैं, जिनके साथ रक्षा क्षेत्र में सहयोग का समझौता है. भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में कतर से प्राकृतिक गैस आपूर्ति की अहम भूमिका रही है. हाल ही में दोनों देशों ने गैस खरीद से जुड़े एक दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किया है. दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 20 अरब डॉलर के स्तर के करीब है. विभिन्न क्षेत्रों में कतरी निवेश भी बढ़ा है तथा कतर में लगभग 15 हजार भारतीय कंपनियां काम कर रही हैं. कतर में दूसरे देशों के लोगों में सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है और कतर के विकास में उनके योगदान की सराहना वहां के नेतृत्व और लोगों द्वारा हमेशा की जाती रही है. कतर में हाल में आयोजित फुटबॉल विश्व कप, जो कतर के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, को सफल बनाने में भारतीय कामगारों और कंपनियों ने कोई कसर नहीं उठा रखी थी. कतर के नेतृत्व को इसका पूरा अहसास है. ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और कार्यरत लोग किसी भी संबंध में महत्वपूर्ण तत्व हो सकते हैं और भारत एवं कतर का संबंध कोई अपवाद नहीं है, पर इस संबंध में एक प्रभावशाली कारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर के अमीर तमीम बिन हमाद अल थानी के बीच परस्पर सम्मान और निकटता है. प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता में आने के बाद शेख तमीम भारत दौरा (मार्च 2015) करने वाले पहले अरब नेता थे. उसके अगले साल प्रधानमंत्री मोदी ने कतर की यात्रा की थी. उसके बाद उनकी कई मुलाकातें और बातचीत हुई हैं. विदेश मंत्री एस जयशंकर वहां चार बार जा चुके हैं. कतर और अरब लीग के बीच तनातनी (2017–2021) के दौरान भारत के समर्थन में वृद्धि ही हुई थी. युसुफ अली के लूलू चेन के जरिये चीजों की आपूर्ति को बहुत सराहा गया था. खैर, पूर्व नौसैनिकों की रिहाई से इस संबंध में और मजबूती आयेगी. पिछले साल एक दिसंबर को दुबई जलवायु सम्मेलन के आयोजन के मौके पर प्रधानमंत्री और अमीर की मुलाकात हुई थी और ऐसा कहा गया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने बंदी पूर्व सैनिकों को लेकर चिंता जाहिर की थी. माना जाता है कि वहां एक समझ बनी थी और उम्मीद बंधी थी कि कोई रास्ता निकलेगा. कुछ ही हफ्तों में ऊपरी अदालत ने मौत की सजा को निरस्त कर दिया. हाल में मैं प्रतिष्ठित 'दोहा फोरम' की बैठक के लिए कतर गया था. वहां के कुछ अधिकारियों से बातचीत से मुझे लगा कि देर–सबेर पूर्व नौसैनिक रिहा कर दिये जायेंगे, खासकर रमजान के महीने में, जब आम तौर पर अमीर कई लोगों को माफी देते हैं. लेकिन ऐसा पहले हो जाने से इंगित होता है कि कतरी नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी और अमीर

तमीम की 14 फरवरी की भेंट से पहले इस मसले को हल कर लेना चाहता था. यह परस्पर सम्मान, हित और संवेदनशीलता के सिद्धांत का सूचक है. लागत व लाभ का विश्लेषण कूटनीति एवं रणनीति का निचोड़ है. बिना किसी शोर–शराबे या धार्मिक पृष्ठभूमि के हुई रिहाई कतर के विवेकपूर्ण कूटनीति का एक और परिचायक है, जिसने उसे हाल के कई संकटों के समाधान के केंद्र के रूप में स्थापित किया है. अंतरराष्ट्रीय विमर्श में उसका हस्तक्षेप उसके वजन से कहीं अधिक है. कतर के प्रयासों से तालिबान से पांच अमेरिकी बंधक छुड़ाये गये, वहीं अमेरिका और तालिबान के बीच 'दोहा समझौता' हुआ तथा अफगानिस्तान में फंसे बड़ी संख्या में विदेशियों को निकालने का ठीहा भी कतर रहा. कतर ने इस्राइल और हमास के नेतृत्व वाले गाजा के बीच संपर्क और राहत मुहैया कराने में बड़ी भूमिका निभायी है. इस्राइली राष्ट्रपति तक लंबे समय से कतर के प्रति आभार व्यक्त करते रहे हैं. इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के तीखे बयानों के बावजूद इस्राइल और हमास के बीच जारी मौजूदा लड़ाई में भी मिस्र के साथ कतर बंधकों की रिहाई, गाजा में मानवीय राहत भेजने और दोनों पक्षों के बीच लंबा युद्धविराम कराने के लिए भी मध्यस्थता कर रहा है।

बीजेपी के वर्चस्व की सीमा, भारत रत्न और चुनाव 2024

नीरज

कर्पूरी ठाकुर, पी.वी. को मरणोपरांत प्रदान किए गए चार भारत रत्न पुरस्कारों की त्वरित उत्तराधिकार में घोषणा। नरसिम्हा राव, चरण सिंह और एम.एस. स्वामीनाथन ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजनीतिक शिष्टाचार के कट्टर समर्थक नहीं रहे हैं। इन पुरस्कारों की कर्पूरी ठाकुर, पी.वी. को मरणोपरांत प्रदान किए गए चार भारत रत्न पुरस्कारों की त्वरित उत्तराधिकार में घोषणा। नरसिम्हा राव, चरण सिंह और एम. एस. स्वामीनाथन ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजनीतिक शिष्टाचार के कट्टर समर्थक नहीं रहे हैं। इन पुरस्कारों की घोषणा 2015 और 2024 के बीच किसी भी समय की जा सकती थी, और वह घोषणा के पीछे के राजनीतिक उद्देश्यों के बारे में आलोचना को टाल सकते थे। हालाँकि, प्रधान मंत्री को इस बात पर गर्व है कि वह बिना किसी हिचकिचाहट के सभी उदार प्रोटोकॉल तोड़ते हैं – और उन्हें इस निर्णय के पीछे छिपे राजनीतिक मकसद की परवाह नहीं है। यहां तक कि मीडिया में वे राजनीतिक पर्यवेक्षक जो नरेंद्र मोदी के समर्थक हैं, उन्होंने इस कदम के पीछे की राजनीति पर ध्यान देने के लिए मजबूर महसूस किया। जो सवाल पूछा जाना चाहिए वह यह है कि भाजपा और प्रधानमंत्री को इससे क्या चुनावी लाभ मिलने की उम्मीद है। कर्पूरी ठाकुर के लिए पुरस्कार शायद फायदेमंद न हो क्योंकि बिहार में आज के मतदाता केवल लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार को ही जानते हैं। पिछले 20 वर्षों में नीतीश कुमार की संगति में भाजपा ने काफी हद तक अपनी पकड़ बना ली है, और यह एक तरह से नीतीश कुमारध्जनता दल (यूनाइटेड) के क्षेत्र पर हावी होने के लिए तैयार है। लालू प्रसाद यादव/तेजस्वी यादव और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का गठन राज्य में एक ठोस विपक्षी गुट बना हुआ है, और कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने से इसमें कोई बदलाव नहीं आएगा। चरण सिंह के लिए पुरस्कार, जयंत चौधरी और राष्ट्रीय लोक दल को ध्धन्यवादष कहने जैसा है क्योंकि वे भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में फिर से शामिल होने के लिए तैयार हैं। पी.वी. को पुरस्कार नरसिम्हा राव का उद्देश्य मुख्य रूप से कांग्रेस पार्टी और सोनिया गांधीध्राहुल गांधी की निंदा करना है। यह एक अस्पष्ट द्वेष है कि भाजपाध आरएसएस नेता नेहरू–गांधी परिवार के खिलाफ ऐसे समय में नफरत पाल रहे हैं जब वे देश की राजनीति में हाशिए पर हैं और परिवार की सत्ता में वापसी का कोई संकेत नहीं दिख रहा है। श्री मोदी एक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी और वैचारिक दुश्मन को यथासंभव पूरी तरह से हराने में विश्वास करते हैं, जो कि श्री मोदी और भाजपा द्वारा अपनाई जाने वाली राजनीति की मांग है। नरसिम्हा राव जब जीवित थे तो उनकी तेलंगाना में कोई राजनीतिक प्रतिध्वनि नहीं थी और उनकी मृत्यु के बाद भी नहीं। भाजपा को तेलंगाना में अपना वोट शेयर बढ़ने की संभावना नहीं है क्योंकि श्री मोदी ने राव को भारत रत्न से सम्मानित किया था। एम.एस. को पुरस्कार स्वामीनाथन केवल यह दर्शाता है कि भाजपा को तमिलनाडु की राजनीति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। सेन्गोल का काल्पनिक प्रतीक जिसे नए संसद भवन में रखा गया है, वाराणसी के साथ तमिल संबंध को सक्रिय करता है, और अब स्वामीनाथन के लिए भारत रत्न का राज्य में राजनीतिक प्रभाव बहुत कम होगा। भाजपा भारतधहिंदू सांस्कृतिक गौरव के नाम पर सद्भावना के इन अस्पष्ट संकेतों के जरिए राज्य में पैठ बनाने की उम्मीद नहीं कर सकती। तमिल सांस्कृतिक चेतना गहरी जड़ें जमा चुकी क्षेत्रीय पहचान की उप–भूमि में निहित है। भारतीय/हिन्दू संस्कृति को एकरूप बनाने का प्रयास तमिल भावना के विपरीत है। भाजपा की राजनीति के हिंदी हृदयभूमि हिंदुत्व ब्रांड के लिए पल्लवों और चोलों की भूमि, या तिरुक्कुरल की परंपराओं और शैव और वैष्णव तमिल संत–कवियों की भक्तिपूर्ण भावनाओं में प्रवेश करना कठिन होगा। तमिल देश की धार्मिकता भाजपा और आरएसएस की धर्म की राजनीति से बहुत अलग है। हालाँकि, श्री मोदी राष्ट्रवाद की आड़ में पूरे देश को हिंदुत्व पंथ में बदलने की उम्मीद में लगातार और दृढ़ हैं। वह सफल नहीं हो सकते क्योंकि वह आधुनिक भारतीय राजनीति के बुनियादी संवैधानिक सिद्धांत, संघवाद का उल्लंघन कर रहे हैं, जो क्षेत्रीय शक्तियों और क्षेत्रीय आवाजों के स्थान का सम्मान करता है। मोदी शैली की राजनीति की एक पहचान भारत की सभ्यतागत महिमा और हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा के राजनीतिक आधार से निकलने वाले राजनीतिक प्रभुत्व के बारे में लगातार बात करना है। 1950 और 1960 के दशक में कांग्रेस की जो दबंगई थी, उसे पिछले दशक में श्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने कायम रखा है। जहां कांग्रेस की दबंगई मुख्यतः राजनीतिक थी, वहीं भाजपा की दबंगई सांस्कृतिक वर्चस्व वाली है। राजनीतिक शक्ति साझा किए बिना तमिल के प्रति सद्भावना के संकेत निरर्थक रहेंगे। भाजपा देश के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में प्रभावी हुए बिना भी आरामदायक संसदीय बहुमत हासिल करने में सक्षम है। लेकिन श्री मोदी केंद्र में सत्ता में रहने से संतुष्ट नहीं हैं। भारत रत्न और चुनाव 2024 वह पूरे देश में बीजेपी को सत्ता में देखना चाहते हैं. इसीलिए उन्होंने सहयोगियों तक पहुंचने की रणनीति अपनाई है, चाहे वह पूर्व प्रधानमंत्री एचडी की जनता दल (सेक्युलर) हो। कर्नाटक में देवेगौड़ा, आंध्र प्रदेश में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), उत्तर प्रदेश में आरएलडी, महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अलग हुए गुट, पंजाब में शिरोमणि अकाली दल और जेडी(उ) बिहार में।

इम्पोस्टर सिंड्रोम को हराना

ललित

आज के समय में आत्मविश्वास एक मुश्किल चीज है। खुद पर विश्वास करना और अपने कार्यों को दृढ़ विश्वास के साथ पूरा करना अक्सर जटिल हो जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम एक अच्छा जीवन क्या है इसके बारे में बहुत सारे विचारों और बहुत सारी छवियों के संपर्क में हैं, और अस्तित्व के ३ आज के समय में आत्मविश्वास एक मुश्किल चीज है। खुद पर विश्वास करना और अपने कार्यों को दृढ़ विश्वास के साथ पूरा करना अक्सर जटिल हो जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम एक अच्छा जीवन क्या है इसके बारे में बहुत सारे विचारों और बहुत सारी छवियों के संपर्क में हैं, और अस्तित्व के कई प्रतिमानों के साथ अपने जीवन जीने के तरीकों की लगातार तुलना करने से हमारी अपनी क्षमताओं पर संदेह और अविश्वास पैदा हो सकता है। इसलिए, ष्इंपोस्टर सिंड्रोमष शब्द की लोकप्रियता पर ध्यान देना कोई आश्चर्य की बात नहीं है, जिसका व्यापक रूप से अपर्याप्तता की व्यापक भावनाओं और एक धोखेबाज, या एक धोखेबाज के रूप में उजागर होने के अंतहीन डर का वर्णन करने के लिए उपयोग किया जाता है जो उपलब्धि के योग्य नहीं है। इम्पोस्टर सिंड्रोम, एक शब्द के रूप में, निश्चित रूप से लोकप्रिय है और एक घटना के रूप में, निश्चित रूप से व्यापक है। तो फिर हम आत्म–संदेह की इस निरंतर और पीड़ादायक स्थिति को कैसे समझें? हम उस पैटर्न का मुकाबला कैसे करते हैं जो हमारी चेतना में मौजूद है? इसे समझना इससे पहले कि हम इन सवालों से निपटें, हमें इस बात की व्यापक समझ हासिल करनी चाहिए कि इम्पोस्टर सिंड्रोम क्या है और यह किन असंख्य तरीकों से प्रकट हो सकता है। सीमा बहुत विस्तृत है, क्योंकि व्यक्ति पूर्णता के प्रति आसक्त हो सकते हैं या वे जो भी अच्छी चीजें हासिल करते हैं उन्हें खारिज कर सकते हैं, या यहां तक कि निराशा के डर से स्थिर हो सकते हैं। जुनूनी पूर्णतावाद को धोखेबाज सिंड्रोम के एक प्रकार के रूप में मानने के लिए, हम ऐसे समय के बारे में सोच सकते हैं जब हम अपने लिए अत्यधिक कठिन मानक निर्धारित करते हैं और हर बार अपर्याप्त महसूस करते हैं जब हम उनका मुकाबला करने में असमर्थ होते हैं। इम्पोस्टर सिंड्रोम इस रूप में भी प्रकट हो सकता है कि हम उपलब्धियों के लिए अपने श्रम और क्षमता को छोड़कर हर चीज को जिम्मेदार ठहराते हैं, जैसे कि केवल भाग्य या बाहरी समर्थन। इम्पोस्टर सिंड्रोम भी जड़ता और विलंब को प्रेरित कर सकता है और हम अपने स्वयं के जीवन की पटकथा लिखने से भयभीत हो सकते हैं, निष्क्रिय हो सकते हैं और संभावित विफलताओं से निपटने की जिम्मेदारी से बच सकते हैं। व्यापक परिदृश्य में इन सभी घटनाओं में एक बात समान है – यह स्वीकार करना नहीं कि हमारे पास क्षमताएं, कौशल और प्रतिभाएं हैं जो प्रासंगिक और सशक्त हैं। नतीजतन, हम बहुत अधिक प्रयास करके, वास्तविकता से ध्यान भटकाने के लिए लगातार अपने बारे में अपमानजनक बातें करते हुए और उन लोगों से अपनी तुलना करते हुए, जो इसे सही करते हुए प्रतीत होते हैं, जरूरत से ज्यादा भरपाई करने की प्रवृत्ति अपना सकते हैं। आत्म–संदेह की मानसिक स्थिति से, आत्म–तोड़फोड़ की स्थिति में उतरना आसान है। इसलिए, इम्पोस्टर सिंड्रोम हमारी भलाई के लिए तुरंत हानिकारक हो सकता है और निवारण के उपायों की आवश्यकता होती है। भारत रत्न और चुनाव 2024 जीवन के अधिकांश संकटों की तरह, इम्पोस्टर सिंड्रोम के बारे में जागरूकता और स्वीकृति प्रभावी समाधान तैयार करने की दिशा में पहला कदम है।

मालदीव और उससे आगे भारत को पड़ोस की आवश्यकता

आसिफ

एक अनोखी घटना में, मालदीव समय–समय पर राष्ट्रीय चुनाव में पृथ्वी के दो सबसे बड़े प्रतियोगियों में से किसी एक को चुनता है। व्यक्तिगत उम्मीदवार किसी अन्य नाम से जा सकते हैं, लेकिन प्रभावशाली व्यक्ति दिग्गजों में से उभरता हैरू भारत या चीन। लगातार चुनावों में, सत्ता इतनी बड़ी निष्ठा के साथ बदली है कि एक अनोखी घटना में, मालदीव समय–समय पर राष्ट्रीय चुनाव में पृथ्वी के दो सबसे बड़े प्रतियोगियों में से किसी एक को चुनता है। व्यक्तिगत उम्मीदवार किसी अन्य नाम से जा सकते हैं, लेकिन प्रभावशाली व्यक्ति दिग्गजों में से उभरता हैरू भारत या चीन। लगातार चुनावों में, सत्ता इतनी बड़ी निष्ठा के साथ बदली है कि हारने वाला उम्मीदवार अगली बार पासा पलटने के लिए अपना समय बर्बाद कर रहा है। जैसे ही राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इब्राहिम सोलिह को झटका देते हुए माले में सत्ता हासिल की, यह ज्ञात हो गया कि उनका झुकाव चीन की ओर होगा। श्री मुइज़ू के शुरुआती दिनों में, जब बीजिंग ने बुनियादी ढाँचे में निवेश बढ़ाने का वादा किया था, तो सामंजस्य बिठाने की उत्सुकता थी। यह असामान्य नहीं था क्योंकि पिछली सरकारों ने दोनों शक्तियों में से किसी एक का पक्ष लिया था। लेकिन इस बार, एक पुराने मित्र के प्रति निर्लज्जता और घृणा के कारण एक अच्छे संतुलन का बलिदान दिया गया। उपमंत्रियों की तिकड़ी ने अस्वीकार्य तरीके से भारत के प्रधान मंत्री का उपहास करके भारत विरोधी भावनाओं को भड़काया। अनुचित टिप्पणियों ने भारतीयों को परेशान कर दिया, जिनके गुस्से ने वस्तुतः डिजिटल क्षेत्र को झुलसा दिया। मालदीव सरकार ने समय रहते कार्रवाई की और उपमंत्रियों को निलंबित कर दिया, लेकिन नुकसान हो चुका था। यह चिंताजनक है कि कनिष्ठ मंत्री वास्तव में उन्माद फैला सकते हैं और उनके पास भारत–मालदीव समीकरण में दरार पैदा करने की एजेंसी है। इसके विपरीत, इसका मतलब यह भी था कि कोई भी यात्रा करने वाला लोबॉल भारत की एड़ी पकड़ सकता है। क्या किसी भी टिप्पणी पर सामूहिक राष्ट्रीय आक्रोश, यहां तक कि अत्यधिक टिप्पणियों पर भी, भारत को अत्यधिक पूर्वानुमानित बना देता है? क्या इससे क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बनने की भारत की यात्रा को नुकसान होगा? भारत और चीन के बीच इस क्षेत्र में प्रतिद्वंद्विता एक सरोगेट में बदल गई है। हिमालय में संघर्ष का निहित सामरिक महत्व होने की संभावना है, क्योंकि कोई भी पहाड़ों में आगे नहीं बढ़ सकता है। हालाँकि, जब संघर्ष के आयामों का विस्तार महासागरों और उनसे जुड़े देशों तक हो जाता है, तो यह उपग्रह राज्यों और नौसैनिक अड्डों के माध्यम से भारत के चारों ओर चीनी ष्मोतियों की मालाष के वास्तविक जोखिम को जन्म देता है। यहीं पर हर मुद्दे पर भावनात्मक विस्फोट भारत के लिए आत्म–लक्ष्य बन सकता है। चीनी रुख ने अपनी राह रोक रखी है। मालदीव पर बीजिंग की सोच शी जिनपिंग के उदय से पहले ही शुरू हो गई थी। 2002 तक कोई सार्थक व्यापार नहीं था, लेकिन अगले दशक में व्यापार 3 मिलियन डॉलर से बढ़कर 60 मिलियन डॉलर से अधिक हो गया। अगले दशक में, व्यापार की मात्रा +500 मिलियन को पार कर गई। चीन इन देशों में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है जिसका वह बाद में लाभ उठा सकता है। देश में चीन की पैठ की सीमा का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि चीन के एक्जिम बैंक ने कृषि में निवेश के साथ–साथ माले के लिए सिनामाले पुल के निर्माण और माले में वेलाना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के आधुनिकीकरण के लिए वित्त पोषण किया। विवेकानन्द इंटरनेशनल फाउंडेशन के लेफ्टिनेंट जनरल राकेश शर्मा का मानना है कि, निवेश के लिए चीन की गहरी जेब के विपरीत, भारत लोगों और चिकित्सा पर्यटन और शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं के माध्यम से संबंध बनाने के लिए जाना जाता है। हालाँकि उनका दावा है कि मालदीव के मंत्रियों की टिप्पणियों के खिलाफ शुरुआती नाराजगी सामान्य थी, लेकिन उन्होंने अतिशयोक्ति करने के बारे में आगाह किया। एक वरिष्ठ राजनयिक को टेलीविजन पर हमारे पड़ोसियों को ष्लाल रेखाएंष पार न करने का उपदेश देते हुए सुना गया। लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा कहते हैं, ष्कूटनीति की ताकत शत्रु सरकारों से निपटना है।ष समर्थन में, उन्होंने तालिबान के साथ और पहले पाकिस्तानी सरकारों के साथ भारत के व्यवहार के हालिया उदाहरणों को नोट किया जहां बैक चौनल का चतुराई से उपयोग किया गया था। भारत रत्न और चुनाव 2024 भारत में यह धारणा है कि किसी भी प्रतिकूल मुद्दे को सोशल मीडिया पर केवल संख्याओं का उपयोग करके प्रतिकूल विचारों को प्रसारित करके एक सार्वजनिक हित की घटना में बदल दिया जा सकता है। लेकिन इस बैंडबाजे पर कूदने वालों को इस बात की बहुत कम या कोई समझ नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय मामले और रणनीतिक विकल्प कैसे काम करते हैं। जब सरकार ने कीचड़ उछालने से परहेज किया था, तब वफादारी साबित करने के लिए टूर और ट्रैवल ऑपरेटरों और मशहूर हस्तियों द्वारा दौरे रद्द करने की नौटंकी उन लोगों द्वारा अनचाहे अपमान का मामला था, जिनके फैसले भावनाओं के विस्फोट के कारण विकृत हो गए थे। लक्षद्वीप को मालदीव में बदलने का वादा करने वाले एक पर्यटन संगठन का मामला लीजिए। मालदीव और लक्षद्वीप के बीच बुनियादी ढांचे और क्षमता की कोई भी तुलना अस्वीकार्य है। यह दावा करना कि कमजोर पारिस्थितिकी तंत्र और सिर्फ 36 द्वीपों वाले लक्षद्वीप को 1,100 से अधिक द्वीपों (जिनमें से 187 बसे हुए हैं)

अपने उत्कृष्ट कार्य व्यवहार से आप सदैव याद किए जाते है - नीरज कुमार श्रीवास्तव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कंपोजिट विद्यालय तारा में शिक्षक विदाई एवं शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, पारस्परिक स्थानातंरण में विद्यालय से स्थानांतरित शिक्षक सर्वेश कुमार की विदाई व अमित शर्मा का स्वागत हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव ल एवं अध्यक्षता ग्राम प्रधान जयप्रकाश सिंह जी ने किया नीरज श्रीवास्तव सर ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक सिर्फ विद्यालय से स्थानांतरित होता है जिम्मेदारियों से नहीं शिक्षक जहां भी जाता है वह अपनी जिम्मेदारियां को और भी बढ़ाता है क्योंकि उसके ऊपर इस बात का दबाव होता है कि वह पिछले विद्यालय से क्या सीख कर आया और वह पिछले विद्यालय से क्या सीख कराया और वर्तमान विद्यालय को क्या सीख देता है। जिला मंत्री सतीश पाठक ने न्यायपंचायत के नवागंतुक शिक्षक साथियों का स्वागत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इसी क्रम में पूरे न्याय पंचायत से उपस्थित अध्यापकों के साथ कुछ नए अध्यापक जो स्थानांतरित होकर आए हैं खंड शिक्षा अधिकारी महोदय के द्वारा सभी लोगों का माल्यार्पण द्वारा स्वागत किया गया और सभी शिक्षकों ने आश्वस्त भी किया कि हम लोग पूरी लगन के साथ पूरे ब्लॉक का नाम रोशन करेंगे और पूरे ब्लॉक को निपुण ब्लॉक की श्रेणी में लाकर खड़ा करेंगे। कार्यक्रम के अंत में जिला उपाध्यक्ष कंपोजिट विद्यालय तारा के प्रधानाध्यापक राजेश सिंह टोनी ने न्याय पंचायत के उपस्थित सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री राम सिंह राव प्रचार मंत्री मनोज कुमार सिंह, वरिष्ठ ब्लाक उपाध्यक्ष दशरथ राम, पूर्व न्याय पंचायत प्रभारी राजकुमार यादव पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संजय सिंह,शचीन्द्रनाथ यादव, अनिल पांडेय, प्रियंका सिंह, मधु रानी, अवनीश सिंह, संतोष यादव, संदीप कुमार, रीता देवी, सुनीता देवी, शीला, सरला साहू, विनोद कनौजिया,संजय यादव,अजय कुमार, रेखा, मीणा, मनोरमा, अस्मिता, प्रियंका ऊषा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे।

जामिअतुल मदीना की वार्षिक परीक्षा प्रारम्भ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ।दावते इस्लामी इण्डिया के डिपार्टमेण्ट जामिअतुल मदीना (आलिम कोर्स) के परीक्षा विभाग प्रमुख मौलाना शाने इलाही मदनी ने बताया कि 15 फरवरी 2024 से पूरे देश में जामिअतुल मदीना की

275 ब्रान्चेज में वार्षिक परीक्षा प्रारम्भ हो रही है जिसमें लगभग 20 हजार आलिम कोर्स के छात्र – छात्राएं भाग लेंगे। अतुल मदीना की वार्षिक परीक्षा की सभी गतिविधियों का संचालन केन्द्रीय स्तर पर किया जाता है। सभी छात्र–छात्राओं की एडमिट कार्ड स्टूडेण्ट मेनेजमेण्ट सॉफ्टवेयर के माध्यम से जारी किए जाते हैं। सम्पूर्ण भारत के छात्र–छात्राओं के लिए केन्द्रिय स्तर पर समान प्रश्नपत्र जारी किये जाते हैं। सभी छात्र छात्राओं के लिए प्रश्नपत्र छप कर परीक्षा केन्द्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं के साथ भेज दिये गए हैं। सभी प्रश्नपत्रों को परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षित रख दिया गया है। प्रत्येक जामिअतुल मदीना में स्टाफ के अतिरिक्त अन्य शहरों से 310 परीक्षा निरीक्षकों की नियुक्तियाँ की गई हैं जो परीक्षा पूर्ण होने तक उसी शहर में रह कर कड़ी निगरानी में परीक्षा सम्पन्न करवाएंगे। वहीं 1012 परीक्षा पर्यवेक्षकों की भी नियुक्ति की गई है। परीक्षा के दौरान नकल व अन्य अनुचित माध्यमों के उपयोग को रोकने के लिए भी व्यवस्था की गई है। परीक्षा पत्र लीक होने पर प्रश्नपत्र रद कर दिया जाएगा। उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए पूरे भारत में 29 कॉपी चेकिंग सेण्टर स्थापित किए गए हैं जहाँ 179 अनुभवी अध्यापकों के द्वारा लगभग 90 हजार उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। उत्तर पुस्तिकाएं चौक होने के पश्चात उत्तर पुस्तिकाओं का पुनरीक्षण करवाया जाता है । पुनरीक्षण के पश्चात केन्द्रिय स्तर पर ही सभी जामिअतुल मदीना का परिणाम एक साथ घोषित किया जाएगा। इस परीक्षा परिणाम को जामिअतुल मदीना की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। किसी भी विद्यार्थी को परिणाम पर संशय होने की स्थिति में रिचेक का अवसर भी प्रदान किया जाएगा। एक या दो प्रश्नपत्रों में असफल होने पर परीक्षार्थियों के लिए पूरक परीक्षा आयोजित की जाएगी। जौनपुर शहर में स्थित जामियातुल मदीना फैजाने शमसुल उलेमा मिरमस्त में भी 44 परीक्षार्थी दावते इस्लामी इण्डिया के जामिअतुल मदीना की वार्षिक परीक्षा में भाग ले रहे हैं । परीक्षा के दौरान समय – समय पर शहर के प्रसिद्ध उलमा–ए–किराम व शहर के शिक्षाविदों के द्वारा भी निरीक्षण का सिलसिला रहेगा।

दो दिवसीय वार्षिक उत्सव में फिल्मी जगत के सितारे राजा मुराद ने शिरकत की सेंट्रल पब्लिक स्कूल में दर्शकों की भीड़

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आज दिनांक 15 फरवरी 2024 को रजनीकांत शारदा नगर स्थित सेंट्रल पब्लिक स्कूल में वार्षिक उत्सव को मनाया गया स्कूल के इस वार्षिक उत्सव में बॉलीवुड के चर्चित कलाकार राजा मुराद ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्त्री वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ नीलू त्रिवेदी ने अतिथि के रूप में शिरकत की जो लगातार कैंसर फ्री इंडिया अभियान को खासकर महिलाओं के लिए चल रही है उन्होंने कहा कि स्कूल के पल के लिए मैं स्कूल को बधाई देता हूं स्कूल के मीडिया प्रभारी विक्रम कश्यप द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन स्वागत नृत्य हटवन वैन फॉर स्पेशल सत्कार जनक इंट्रा नृत्य नाटिका बाल श्रम रोबोटिक्स डांस

डांस स्वच्छता अभियान अभिनंदन समारोह डांस ड्रामा चंद्रयान सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया गया है सब सर पर स्कूल के प्रधानाचार्य दिव्या पांडे ने बताया कि स्कूल हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने वार्षिक उत्सव को अलग अंदाज में बना रहा है और आज के इस उत्सव में फिल्मी कलाकार राजा मुराद जी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की है सामाजिक कार्यकर्ता निर्मित त्रिवेदी समाज सेविका सोनी शर्मा उम्मीद संस्था के अध्यक्ष बलबीर सिंह मांन जो की लगातार कई तरह के अभियान चला रहे हैं स्वच्छता एव भिक्षा मांग रहे बच्चों को शिक्षा देने का बड़ा काम उनकी संस्था कर रही है आज आए हुए सभी अभिभावक उनके छात्र हमारे अतिथियों का आभार जो उन्होंने स्कूल कार्यक्रम में अपना अमूल्य समय दिया यह सबसे पहले स्कूल के संस्थापक जगत नारायण पांडे ने बताया कि स्कूल हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक उत्सव को अलग अंदाज में बना रहा है और सांस्कृतिक धार्मिक और कई तरह के कार्यक्रम बच्चे कर रहे हैं जिसमें स्वच्छता महिला सशक्तिकरण खास कर होंगे स्कूल में इस तरह की एक्टिविटी हम हर वर्ष करते हैं की सभी छात्र–छात्राओं में नई ऊर्जा आ सके और वह इस तरह के कार्यक्रमों में रुचि लेकर आगे बढ़े कार्यक्रम में स्कूल प्रशासन द्वारा डॉक्टर निहारिका दीक्षित डॉक्टर पुष्पराज सिंह एवं डॉक्टर रूपेंद्र को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

हरियाली न्यारी वसंत ऋतु आई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बसंत के शुभ अवसर पर सेठ एम .आर. जयपुरिया स्कूल, गोयल कैंपस में सरस्वती पूजा और बालमेले का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के मंत्रोच्चार से किया गया। विद्यालय के चौयरमैन श्री महेश अग्रवाल,प्रधानाचार्या डॉ. श्रीमती रीना पाठक ने उपप्रधानाचार्य श्री सुशांत श्रीवास्तव, हेडमिस्ट्रेस शिल्पी जैन एवं समस्त विद्यालय परिवार के साथ मां सरस्वती का वंदन किया। प्रसाद वितरण के बाद गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के चौयरमैन श्री महेश अग्रवाल एवं प्रधानाचार्या डॉ

श्रीमती रीना पाठक ने वसंतोत्सव के उपलक्ष्य पर आयोजित बालमेले को आरंभ करने की उदघोषणा की। इस अवसर पर जयपुरिया कॉरपोरेट ऑफिस की ए जी एम श्रीमती तूलिका चरन और श्रीमती रीति ने भी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रीनर्सरी से कक्षा नौ तक के छात्रों के लिए जोश जयपुरिया स्कॉलरशिप हंट का आयोजन किया गया। नेल पेंट,मेंहदी प्रतियोगिता, गेम जोन,फूड स्टॉल,आपकी फर्माइश लोगों के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे।जोश स्कॉलरशिप में उत्तीर्ण हुए छात्रों को विशेष सम्मान से नवाजा गया।

आधुनिक मशीनों व सुविधाओं से युक्त हास्पिटल का हुआ उद्घाटन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रमुख सचिव सचिवालय प्रशासन, प्रशासनिक सुधार एवं लोक प्रबंधन सेवा विभाग श्री रविंद्र नायक जी ने ट्युलिप हार्ट एण्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रमुख सचिव ने अस्पताल के निरीक्षण के दौरान वेंटिलेटर, डी फेब, कैथ लैब के बारे में डॉ० मोहसिन से जानकारी ली। उन्होंने अवगत कराया कि सभी मशीन आधुनिक और लेटेस्ट टेक्नोलॉजी अस्पताल में उपलब्ध है। वही डॉक्टर उत्पल कुमार शर्मा डीएम कार्डियोलॉजिस्ट है जो 24 घंटे उपलब्ध मिलेंगे। यह जौनपुर के लिए बड़ी उपलब्धि है अब महानगरों की सुविधा जौनपुर में भी उपलब्ध मिलेगी। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाधिकारी श्री रविंद्र कुमार मॉंदड़, एस पी उपाध्याय पुलिस उपमहानिरीक्षक, अनिल कुमार मिश्रा आईएएस, पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा, त्रिवेणी सिंह आईजी स्टैंप, एसके पांडेय जेल अधीक्षक, डॉ लक्ष्मी सिंह सीएमओ, इंद्रानंदन सिंह सिटी मजिस्ट्रेट और एसडीएम मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्र में क्वालिटी रिसर्च में आती हैं दिक्कतें - डा. तनु डंग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में संकाय भवन के कांफ्रेंस हाल में चल रहे भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो साप्ताहिक कार्यशाला में बुधवार को रिसर्च मेथेड यूज्ड इन मीडिया कम्युनिकेशन रिसर्च पर चर्चा की गई। इस अवसर पर इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय दिल्ली की जनसंचार विभाग की डॉ. तनु डंग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर चर्चा करते हुए कहा कि वह ज्ञान को बढ़ा नहीं रही है बल्कि डंप कर रहा है। आजकल किसी भी स्टडी या रिसर्च में चौट जीपीटी का प्रयोग विद्यार्थी बहुत तेजी से हो रहा है। इसमें कामन आइडिया होता है । वह जो आपको दे रहा है वह दूसरे को भी दे रहा है वह भी बिना किसी संदर्भ के। उन्होंने एआई और चौट जीपीटी पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही उनकी खामियों को बताया। कहा कि इसके इस्तेमाल से कॉपी राइट का खतरा बढ़ता है। उन्होंने शोध प्राविधि में फोकस ग्रुप डिस्कशन की अच्छाइयों पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि इसमें हम कुछ प्रश्न की फ्रेमिंग करके जाते हैं लेकिन स्टडी में डायरेक्शन चेंज हो जाता है। उन्होंने बिहेवियर चेंज कम्युनिकेशन और क्वालिटेटिव रिसर्च

के बारे में विस्तृत रूप से बताते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इसकी स्टडी में काफी परेशानी आती है। ट्रेंड एनालिसिस पर उन्होंने कहा कि यह किसी भी क्षेत्र के मार्गदर्शन में बहुत सहायक होता है कि वह भविष्य में कहां होना चाहता है। यह राजस्व और लागत पर ऐतिहासिक डेटा की भी पहचान करता है और अधिक खर्च और राजस्व में गिरावट जैसे समस्या क्षेत्रों को चिह्नित कर सकता है। निवेश के साथ, प्रवृत्ति विश्लेषण उपयोगी है क्योंकि किसी स्टॉक के व्यवहार का अनुसरण करने से बाजार में उसके भविष्य के प्रदर्शन के संकेत मिल सकते हैं। इस अवसर पर प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. मनोज पांडेय, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव,डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, बब्बन कुमार, अनुपम, श्रुति श्रीवास्तव, दीपक कुमार यादव, एजाज अहमद, डॉ. दया सिंधु, डॉ. विवेक मिश्रा, डॉ. कपिलदेव, डॉ. वीरेंद्र कुमार साहू, डॉ. दीपक कुमार दास प्रतिमा मौर्या आदि उपस्थित थीं।

सरस्वती पूजा और हवन के साथ शुरू हुआ बसंत उत्सव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडीज महाविद्यालय, लखनऊ के प्राचार्य डॉ. संतोष पांडे के तत्वावधान में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर वसंत के आगमन का प्रतीक जीवंत कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के साथ मनाया गया। सांस्कृतिक विरासत और शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध संस्थान ने बड़े उत्साह और पारंपरिक उत्साह के साथ इस उत्सव की मेजबानी की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के प्रबंध निदेशक महेश गोयल थे, जिन्होंने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर जीआईटीएम, जीआईपीएस के निदेशक, प्रशासनिक निदेशक और गोयल आयुर्वेदिक कॉलेज के प्राचार्य सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। ज्ञान, संगीत, कला और संस्कृति की देवी सरस्वती का उत्सव बसंत पंचमी, संस्थान के परिसर में श्रद्धापूर्वक आयोजित सरस्वती पूजा और हवन के साथ शुरू हुआ। इस आध्यात्मिक समारोह ने दिन के लिए एक दिव्य माहौल तैयार किया और उपस्थित सभी लोगों के लिए आशीर्वाद का आह्वान किया। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद, माहौल खुशी से गूंज उठा क्योंकि संकायों, कर्मचारियों के सदस्यों और छात्रों के बीच मिठाइयाँ वितरित की गईं, जो खुशी और ज्ञान को साझा करने का प्रतीक थीं। इस कार्यक्रम में सभी विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जो एकता और सामूहिक उत्सव की भावना का प्रतीक है।

एसआईसी की तानाशाही रवैये पर पत्रकारों मे आक्रोश

अयोध्या। जिला चिकित्सालय के नए प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डा एनपी गुप्ता संविधान के चौथे स्तम्भ मीडिया पर नकेल कसने के चक्कर मे हैं। उन्होंने मीडिया की स्वतंत्रता पर रोक लगाने के लिए जिला अस्पताल में तैनात सीनियर फिजिशियन डॉक्टर नानक शरण को जिला चिकित्सालय का सूचना प्रभारी नियुक्त किया है।

एसआईसी ने सभी चिकित्सकों को निर्देशित किया है कि वे मीडिया को कोई बयान नहीं देंगे।यही नही उन्होंने यह भी कहा है कि बयान मेरे सामने ही दिए जाएंगे।उन्होंने इमरजेंसी मे आने वाले एक्सीडेंट के केस की जानकारी देने के लिए डा नानक शरण को अधिकृत किया है।एसआईसी के इस फरमान को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं।एक सवाल यह है कि अस्पताल के फार्मासिस्ट अलग अलग शिफ्ट की रिपोर्ट डा नानक शरण को नहीं देते।कुछ ऐसे भी मामले होते हैं जिसमे गंभीर घायलों को इमरजेंसी ओपीडी से सीधे लखनऊ रिफर कर दिया जाता है। ऐसे मे उनकी जानकारी मीडिया को नहीं मिल सकेगी।

लाभार्थी सम्पर्क अभियान की लोकसभा कार्यशाला सम्पन्न हुई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भाजपा जिला कार्यालय पर लाभार्थी सम्पर्क अभियान को लेकर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता में जिला कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। तत्पश्चात सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा बंदे मातरम का गीत गाया गया। जिलाध्यक्ष पुष्पराज ने आगामी कार्ययोजना और उनके क्रियान्वयन कैसे हो इस पर विस्तृत ढंग से समझाते हुये कहा कि लाभार्थी संपर्क अभियान के तहत सभी लाभार्थियों के घर–घर जाकर उनसे संपर्क किया जाएगा। इस दौरान उन्हें किसी भी योजना का लाभ लेने में आ रही परेशानियों के संबंध में जानकारी ली जाएगी और उन्हें पत्रक दिया जाएगा। उन्होने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 वर्षों तक देश की जनता के लिए अपना पल पल समर्पित किया है। एक घंटे की भी छुट्टी नही ली। गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला, आदिवासी, दलित, पिछड़े सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा। शायद ही कोई घर परिवार होगा जो मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित नही हुआ होगा। चाहे उज्जवला योजना हो, प्रधानमंत्री आवास हो, आयुष्मान कार्ड हो, 5किलो अनाज हो, मुद्रा योजना हो, शौचालय निर्माण हो, कोरोना का टीकाकरण हो, पेंशन योजना हो सभी ने बढ़ते भारत, बदलते भारत को महसूस किया है। जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान अबकी बार 400 पार को पूरा करने के लिए संकल्पित है। जनता के आशीर्वाद से तीसरी बार मोदी सरकार बनेगी। भाजपा 2024 के लोकसभा मतदान में पिछले सभी

रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए मत प्रतिशत को बड़े पैमाने पर बढ़ाएगी। अभियान को सफल बनाकर हम सब जौनपुर लोकसभा सीट पर जीत को सुनिश्चित कराएंगे। जिला महामंत्री सुशील मिश्रा ने कार्यशाला पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि यह लाभार्थी संपर्क अभियान जनता और कार्यकर्ता के बीच सेतु बनाने का अभियान है। हमें अभियान को शत प्रतिशत सफल बनाना है। यह अभियान एक जुनून और जिद्द से पूरा करें कोई घर नहीं छूटे। कार्यकर्ता को जिनसे संपर्क की जिम्मेवारी है उसे पूर्ण करें। हम लाभार्थियों के बीच जाएं, उनका समर्थन प्राप्त करें। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के साथ रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने करोड़ों जनमानस को आनंदित किया है। 500 साल की प्रतीक्षा पूरी हुई है जनता का मिजाज बदला हुआ है। कार्यक्रम के संयोजक जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा रागिनी सिंह ने कहा कि पूरे देश में मोदी है तो मुमकिन है की लहर चल रही है। यह लहर सर्व स्पर्शी सर्व व्यापी सर्व समावेशी है। मोदी सरकार अपने संकल्पों के अनुरूप सबके विकास की चिंता की और बिना भेदभाव के जरूरतमंदो तक योजनाओं को पहुंचाया है। आज देश का सामर्थ्य प्रकट हुआ है। जिला सह संयोजक प्रमोद यादव ने कहा कि देश भर में 7 करोड़ लाभार्थियों को भाजपा से जोड़ने का यह अभियान है। 25 फरवरी से 3 मार्च तक कार्यकर्ता सभी लाभार्थी के घर पहुंचेंगे। 16 से 20 फरवरी के बीच सभी लोकसभा क्षेत्र में मंडल कार्यशाला आयोजित कर अभियान को सफल बनाने की योजना लोकसभा स्तर पर बनाई जाएगी। चन्द्रेश गुप्ता ने कहा कि मंडल स्तर पर अभियान के संयोजक एवम सह संयोजक बनाए जायेंगे। शासन की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के गांव, गरीब और नौजवान तक पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री मोदी को जनता से मिल रहा प्यार इस बात का प्रमाण है। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री सुनील तिवारी ई अमित श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह सुधाकर उपाध्याय सुरेन्द्र सिंघानिया संदीप सरोज राकेश वर्मा जिला मंत्री राजू दादा अवधेश यादव राज पटेल अभय राय विजय लक्ष्मी साहू विपिन द्विवेदी ओमप्रकाश सिंह आमोद सिंह रोहन सिंह नरेन्द्र उपाध्याय रागिनी सिंह अनिल गुप्ता मण्डल अध्यक्ष गण शनि शुक्ला बलबीर गौड़ विनोद मौर्य लवकुश सिंह अजय मिश्रा शैलेस सिंह सुरेन्द्र मिश्रा नरेन्द्र विश्वकर्मा भूपेश सिंह अमित श्रीवास्तव राजकेशर पाल धर्मेंद्र मिश्रा मदन सोनी चिंताहरण शर्मा वंश बहादुर पाल भोला सिंह अशोक विन्द महेंद्र विन्द मुकेश पटेल शनी सिंह दिलीप शर्मा सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जुगल किशोर ज्वैलर्स बाय राजन रस्तोगी के इंडिया ज्वेलरी शापिंग फेस्टिवल में विजेताओं को मिला सोना और हीरा जड़ित सोने का सिक्का

–लकी ड्रा में अर्तिका ने जीता 25 ग्राम सोना और नलिना को मिला हीरा जड़ित सोने का सिक्का।

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नया साल अर्तिका सिंह और नलिना सिंह के लिए भरपूर खुशियों की सौगात लेकर आया। उन्होंने दशहरा और दिवाली के दौरान चल रहे ष्इंडिया ज्वैलरी शॉपिंग फेस्टिवलष का हिस्सा बने ष्जुगल किशोर ज्वैलर्स बाय राजन रस्तोगीष इंदिरा नगर व हजरतगंज से खरीदारी कर लगभग डेढ़ लाख रुपए मूल्य का 25 ग्राम सोना और हीरा जड़ित सोने का सिक्का जीता है। ष्इंडिया ज्वैलरी शॉपिंग फेस्टिवलष के दौरान आभूषणों की दुनिया में अग्रणी नाम, ष्जुगल किशोर ज्वैलर्स बाय राजन रस्तोगीष ने अपने ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर्स की एक श्रृंखला प्रदान की। इंडिया ज्वैलरी शॉपिंग फेस्टिवल 15 अक्टूबर से 22 नवंबर, 2023 तक ष्जुगल किशोर ज्वैलर्स बाय राजन रस्तोगीष के स्टोर्स पर आयोजित हुआ था। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) ने इंडिया ज्वेलरी शॉपिंग फेस्टिवल (आईजेएसएफ) में जुगल किशोर ज्वैलर्स बाय राजन रस्तोगीष के साथ

सहयोग किया, जहां ग्राहकों को 1 किलो तक सोना जीतने का अवसर प्राप्त हुआ। इस भव्य ज्वैलरी फेस्टिवल में जुगल किशोर ज्वैलर्स बाय राजन रस्तोगी ने ग्राहकों को उत्कृष्ट सोने, हीरे, कुंदन और पोल्की आभूषणों की प्रत्येक 25,000 रुपये तक की खरीद पर एक कूपन प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, ग्राहकों को हर खरीदारी पर निश्चित आकर्षक उपहार भी प्राप्त हुए। जुगल किशोर ज्वैलर्स बाय राजन रस्तोगी के सीनियर पार्टनर श्री राघव रस्तोगी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, हम अपने सम्मानित ग्राहक अर्तिका जी और नलिना जी को इस लकी ड्रा के भाग्यशाली विजेता बनने पर हार्दिक बधाई देते हुए गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। फेस्टिव सीजन के दौरान, हम अपने सम्मानित ग्राहकों को विशेष ऑफर देकर बेहद रोमांचित हैं। हम पिछले 165 वर्षों में 8 पीढ़ियों से फैशन ट्रेंड और कस्टमर्स की पसंद के अनुरूप अपने आप को ढालकर एक बेहद समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।हमें उम्मीद है कि हमारे प्रिय ग्राहकों का स्नेह ऐसे ही हमेशा हमारे प्रति बना रहेगा।

पिकप की टक्कर से किशोरी की मौत, अनियंत्रित हो पलटा गन्ना लदा ट्राला

अयोध्या। जिले के अलग–अलग थाना क्षेत्रों में हुए हादसों में एक किशोरी की मौत हो गई।लखनऊ हाइवे पर गन्ना लदा ट्राला पलट गया, जबकि मंडल कारागार में सजा काट रहे एक कैदी की बुधवार को दूसरी पहर हालत बिगड़ गई। जिसके बाद कारागार अस्पताल स्टाफ ने सजायाफ्ता कैदी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।इनायतनगर थाना क्षेत्र के पारखान की रहने वाली 11 वर्षीय खुशी पुत्री राजदेव बुधवार को अपनी साइकिल लेकर पैदल ही सेवरा मोड़ को पार कर रही थी, इसी दौरान उधर से गुजर रही एक पिकप ने किशोरी और उसकी साईकिल में टक्कर मार दी। थोड़ी दूर पर मौजूद उसके गाँव के ही निवासी जितेंद्र यादव ने तत्काल घायल किशोरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया तो डाक्टर ने हालत गंभीर होने के चलते जिला अस्पताल रेफर कर दिया।दोपहर बाद जिला अस्पताल लाये जाने पर चिकित्सक ने किशोरी को मृत घोषित कर दिया। कैंट थाना के सहादतगंज पुलिस चौकी क्षेत्र में गन्ना लादकर चीनी मिल जा रहा एक ट्राला दूसरे वाहन से टक्कर को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर राजकीय पॉलिटेक्निक के सामने हाइवे किनारे पलट गया। ट्राला यूपी 42 बीटी 3349 के पलटने के चलते गन्ना हाइवे किनारे ऐसे लेकर फुटपाथ पर बिखर गया, हलांकि तब तक चालक और परिचालक वाहन से कूदकर किनारे हो चुके थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने सड़क और फुटपाथ पर बिखरे गन्ने को हटवाया है और आवागमन बहाल कराया है। सहादतगंज पुलिस चौकी प्रभारी यशवंत द्विवेदी ने बताया कि हलकी टक्कर के चलते ट्राला पलट गया था। हादसे में किसी को चोट नहीं आई है। जबकि दूसरी पहर मंडल कारागार अस्पताल का फार्मसिस्ट बीपी सिंह कारागार के बंदी रक्षक दीपक पांडेय के साथ 50 वर्षीय सूरज पुत्र झूरी को लेकर 4.25 बजे जिला अस्पताल पहुंचे। इमरजेसनी ड्यूटी पर तैनात डाक्टर आशुतोष प्रताप सिंह ने परीक्षण के बाद सजायाफ्ता कैदी की हालत गंभीर देख भर्ती कर लिया। सजायाफ्ता कैदी को सीने और पेट में दर्द तथा डिप्थीसीमिया की शिकायत है।जेल प्रशासन का कहना है कि पहले उसका कारागार के अस्पताल में इलाज किया गया और हालत में सुधार न होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं वहीं घर में रखा कीटनाशक का इस्तेमाल करने के बाद हालत बिगड़ने पर तारुन थाना क्षेत्र के युवक 22 वर्षीय मंशाराम पुत्र सियाराम को उसकी मां कुसुमा ने तथा रौनाही थाना क्षेत्र के रौनाही निवासी उमेश गुप्ता ने देवरिया निवासी 32 वर्षीय राहुल पुत्र शीतला प्रसाद को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

डाक्टर अम्बिकेश त्रिपाठी राष्ट्रीय विद्या विभूति सम्मान से हुये सम्मानित

इससे पूर्व में राज्य शिक्षक सम्मान से भी हो चुके हैं सम्मानित

अयोध्या। तारुन शिक्षा क्षेत्र तारुन के कंपोजिट विद्यालय तमकीन गंज में गणित विषय के सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी (एसआरजी) राज्य संसाधन समूह उत्तर प्रदेश डाक्टर अंबिकेश त्रिपाठी राष्ट्रीय विद्या विभूति से सम्मानित किये गये। बताते चलें कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और गणित विषय को सरल, सहज और रोचक ढंग से पढ़ाने के साथ– साथ सभी बच्चों के लिए गणित की कार्य पुस्तिका के लेखन हेतु देश के प्रख्यात शिक्षाविद् पैनल द्वारा डॉ अंबिकेश त्रिपाठी का चयन करते हुए वेद शास्त्र रिसर्च ऐंड फाउंडेशन द्वारा पूर्व राज्यपाल (महाराष्ट्र) भगत सिंह कोशियारी, पूर्व मुख्यमंत्री (उत्तराखंड) तीरथ सिंह रावत और कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने राष्ट्रीय विद्या विभूति सम्मान से डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी को राज्य सांस्कृतिक ऑडिटोरियम निकट विधान सभा अजबपुर कला देहरादून (उत्तराखंड) में सम्मानित किया गया।डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी को यह पुरस्कार उनके शैक्षिक कौशल , बच्चों के सीखने हेतु सृजनात्मक वातावरण के निर्माण, बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु मॉड्यूल निर्माण के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट नवाचारों के प्रयोग हेतु प्रदान किया गया।डा त्रिपाठी को उत्तर प्रदेश के शिक्षकों के लिए राज्य स्तर पर विकसित आधारशिला एवं शिक्षण संग्रह के लेखन में महत्वपूर्ण योगदान हेतु राज्य गुणवत्ता समूह सदस्य के रूप में अपर मुख्य सचिव रेणुका कुमार द्वारा सम्मानित किया गया है।बताते चलें इससे पहले उनको प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री डा सतीश चन्द्र द्विवेदी द्वारा राज्य अध्यापक पुरस्कार से वर्ष 2019 से भी सम्मानित किया जा चुका है।इन्हें शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों को लागू करने हेतु एडूलीडर्स उत्तर प्रदेश सम्मान 2021 और कर्मयोगी सम्मान तथा इंटरनेशनल एजुकेशन अवार्ड 2021 से नई दिल्ली में सम्मानित किया गया है।भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन हेतु निपुण भारत मिशन के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राज्य के सभी शिक्षकों के लिए सत्र 2023–24 में विकसित आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका (गणित) के लेखन में डा अम्बिकेश त्रिपाठी ने विशेष योगदान दिया है।डॉ अंबिकेश त्रिपाठी को इस सम्मान से सम्मानित होने पर उनके परिजनों,आसपास के लोगों व मार्डन ग्रुप आफ एजूकेशन जाना बाजार के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव सहित कई लोगों ने बधाई दिया।

अयोध्या– राजस्थान के रंग में रंगा रामोत्सव, राम भजनों पर खूब झूमे श्रद्धालु

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनगरी के राम कथा पार्क में रामोत्सव की श्रृंखला में राम भजन और नृत्यों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मंगलवार संध्या पहली प्रस्तुति पंडित सत्य प्रकाश मिश्र ने मंदिरों में गई जाने वाली बंदिश राम रूप अनुरागी अंखियां गाकर सभी को विभोर किया।अगली रचना भजमन राम चरण सुखदाई में शास्त्रीयता को लोक से जोड़ते हुए गाकर सभी को मंच से जोड़ लिया। इसके बाद भक्तों के भावों को स्वर दिया सांसों को माला पर सिमरू मैं प्रभु का नाम तो सभी भाव विभोर हो गए। इसके बाद मंच पर सुमित्रा देवी और उनके दल ने राजस्थानी लोकगीतों पर पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करके राजस्थानी खुशबू से सरयू तीरे सभी को रंग दिया। महिला कलाकारो ने तोरोताली लोकनृत्य में अद्भुत करतब दिखाकर सभी को अचंभित दिया। घुटनों और पैरो के पंजों में मंजीरे बांध कर उन मंजीरों का हाथों से वादन करना और उसी के मध्य मुंह में तलवार पकड़ कर नृत्य करना रोमांचित रहा। दल की कलाकार रवीना ने इसके बाद राजस्थान का भवई लोक नृत्य किया। देर रात्रि तक चली सांस्कृतिक संध्या में रामोत्सव राजस्थानी रंग में रंग कर दर्शकों को राममय कर गया। संचालन आकाशवाणी के उद्घोषक देश दीपक मिश्र ने किया। अंतरराष्ट्रीय रामायण एवम वैदिक शोध संस्थान के निदेशक डॉ लवकुश द्विवेदी के निर्देशन में कलाकारों का सम्मान कार्यक्रम समन्वयक अतुल सिंह ने किया। चंद्र भूषण मिश्र,अनूप श्रीवास्तव,संत जानकी महाराज, बबुआ ,ऋतिका व श्रद्धालु देर रात तक जमे रहे।

आरती पास के लिए 28 फरवरी तक बुकिंग फुल, रामलला की मंगला और शयन आरती के लिए बन रहा आनलाइन पास

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से राम भक्तों के लिए सुविधा बढ़ाई जा रही है। इसी क्रम में भारी भीड़ के चलते बंद की गई ऑनलाइन आरती पास की सुविधा फिर से शुरू कर दी गई है। रामलला की मंगला व शयन आरती के लिए ट्रस्ट की ओर से ऑनलाइन पास जारी किए जा रहे हैं। भक्तों में रामलला की आरती का साक्षी बनने की उत्सुकता इस कद्र है कि आगामी 28 फरवरी तक के लिए पास बुक हो चुके हैं। रामलला की मंगला आरती सुबह 4:30 बजे होती है। शयन आरती रात 10 बजे होती है। दोनों आरती में शामिल होने के लिए अभी केवल 20–20 पास निर्गत किए जा रहे हैं। धीरे–धीरे इसकी संख्या बढ़ाई जाएगी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट कार्यालय के काउंटर से पास जारी किए जाने की सुविधा फिलहाल अभी बंद है।

माघ मेला पुलिस का मानवीय रूप के साथ सराहनीय कार्य

कर रहे हैं बिछड़े लोगो को मिलाने सहित अन्य सराहनीय कार्य

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। मीडिया सेल माघ मेला प्रयागराज के मुताबिक माघ मेला प्रयागराज में प्रत्येक दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुध् स्नानार्थीध्सैलानी मेला क्षेत्र में आते हैं मां गंगा का स्नान करके, बड़े हनुमान जी का दर्शन करते हुए मेले का लुफ्त उठाते हैं। इस दौरान कई परिजनों से उनके अपने बूढ़े–बच्चे–बुजुर्ग बिछड़ जाते हैं कई परिजनों का तो मेला क्षेत्र में मोबाइल –पर्स–पैसा–बैग–गाड़ी आदि खो जाता है ऐसी स्थिति में इन सभी परिजनों कि अब सारी अपेक्षाएं मेला पुलिस पर आकर रूकती है मेला पुलिस भी प्रभारी माघ मेला प्रयागराज डीआईजी डॉ राजीव नारायण मिश्र के निर्देश पर अपने मानवीय रूप को दिखलाते हुए मेला क्षेत्र में सुरक्षा के लिए सतर्क एवं सजग रहती है और इन सभी परिजनों की अपेक्षाओं पर खरे उतरने को तैयार रहती है।मीडिया सेल माघ मेला प्रयागराज के मुताबिक रामदेव पुत्र राम अधारे पता हरिहरपुर महुली संतकबीर नगर मेला क्षेत्र में माँ गंगा का स्नान करने आए हुए थे इनका मोबाइल संगम नोज पर कही खो गया चौकी प्रभारी संगम नोज उप निरीक्षक मनीष जायसवाल नें अथक प्रयास करते हुए 2 घंटे के अंदर मोबाइल खोज कर रामदेव को सुपुर्द किया गया द्यअनूप सिंह पुत्र शिव मोहन पता खागा फतेहपुर पाण्टून पुल 03 के आस–पास कही फोन खो गया ड्यूटी पर तैनात आरक्षी विक्रम बहादुर सिंह के द्वारा सूचना मिलते ही तत्काल प्रतिक्रिया करते हुए 45 मिनट के अंदर फोन को खोज कर अनूप सिंह को सुपुर्द किया गया।मोरी रैम्प मार्ग पर एक महिला का पैसो व महत्वपूर्ण कागजात से भरा पर्स कही खो गया सुचना मिलने पर UP 112 की PRB 1173 के आरक्षी सूर्य प्रकाश यादव के द्वारा 1 घंटे के अंदर पर्स को खोज कर महिला को सुपुर्द किया गया।रेनू पत्नी अविनाश कुमार पता इंदिरा कॉलोनी मुजफ्फरनगर संगम स्नान

के दौरान मोबाइल फोन कहीं खो गया संगम प्रभारी वीरेंद्र बहादुर सिंह के द्वारा तत्पता से फोन को 1 घंटे में खोज कर रेनू नामक महिला को सुपुर्द किया गया।सभी परिजनों द्वारा पुलिस के कार्य की प्रसंशा की गई और आभार व्यक्त किया गया।इस मौके पर प्रभारी माघ मेला प्रयागराज डीआईजी डॉ राजीव नारायण मिश्र द्वारा पुलिस के इस सराहनीय कार्य की प्रसंशा की गई और सभी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

संयुक्त किसान मोर्चा एवं भारतीय किसान यूनियन के आवाहन 16 फरवरी को भारत बंद

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। संयुक्त किसान मोर्चा एवं भारतीय किसान यूनियन के आवाहन 16 फरवरी भारत बंद को जनपद अयोध्या में तहसीलवार लागू किया जाएगा और किसान कृषि कार्य नहीं करेंगे। अयोध्या। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा ने बताया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी कानून बनाने, कृषि योग्य भूमियों का अधिग्रहण न करने और भूमि अधिग्रहण कानून 2013 लागू करने, गन्ना मूल्य का डिजिटल भुगतान करने, किसान आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमे वापस लेने, छूट्टा जानवरों से खेती को बचाने, सिंचाई हेतु फ्री बिजली देने, आदि किसान समस्याओं के समाधान को लेकर 16 फरवरी 2024 को भारत बंद का आवाहन संयुक्त किसान मोर्चा और भारतीय किसान यूनियन के द्वारा किया गया है जिसका अनुपालन फैजाबाद के किसान कृषि कार्य बंद करके तथा भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता पदाधिकारी तहसीलवार भारत बंद का अनुपालन करायेंगे।तहसील बीकापुर में राष्ट्रीय सचिव घनश्याम वर्मा, अभय राज ब्रह्मचारी, तहसील अध्यक्ष संतोष वर्मा, राम गोपाल मौर्य, मस्तराम वर्मा, गब्बर गोस्वामी के नेतृत्व में बीकापुर तहसील के कार्यकर्ताध् पदाधिकारी बीकापुर बाजार को में भारत बन्द का अनुपालन कराएंगे।सदर तहसील में जिला अध्यक्ष राम गणेश मौर्य ,युवा जिला अध्यक्ष भागीरथी वर्मा दर्शन नगर बाजार को बंद कराएंगे तथा तहसील अध्यक्ष महेंद्र वर्मा ,जिला सचिव मोहम्मद अली, सर्वजीत वर्मा, जगदीश यादव गोसाईगंज बाजार को बंद करायेंगे।सोहावल तहसील में मध्यांचल सचिव सूर्यनाथ वर्मा, देवी प्रसाद वर्मा ,जितेंद्र कुमार, प्रेम शंकर वर्मा के नेतृत्व में सोहावल बाजार (सुचितागंज)बंद कराया जाएगा।रुदौली तहसील में जिला उपाध्यक्ष शंकरपाल पांडे, तहसील अध्यक्ष रवि शंकर पांडे, भोला सिंह टाइगर ,राजकुमार यादव ,रामचंद्र विश्वकर्मा के नेतृत्व में रुदौली बाजार बंद करायेंगे। तहसील मिल्कीपुर में तहसील अध्यक्ष राजेश मिश्रा, राजदेव यादव, बाबूराम तिवारी, वेद प्रकाश पांडे ,राम सुमेर भारती के नेतृत्व में इनायत नगर बाजार बंद कराई जाएगी।भारत बन्द के दौरान भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता/पदाधिकारी व किसान शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए व्यापारियों से बाजार बंद करने का अनुरोध करेंगे।

जिला अधिकारी की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई सम्पन्न

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिलाधिकारी पवन अग्रवाल की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में सम्पन्न हुई।बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी पवन अग्रवाल द्वारा पिछली बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने यातायात नियमों की जानकारी जनता को कैम्प लगाकर दिये जाने का निर्देश दिया गया। विद्यालय के वाहनो के फिटनेस की जांच कराने का निर्देश दिया गया। बिना परमिट के चल रहे वाहनों पर कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने कहा कि मुख्यतः सड़क दुर्घटना लापरवाही के कारण होती है। जिलाधिकारी ने एआरटीओ को निर्देश दिया कि ओवर लोडिंग गाड़ियों नहीं चलनी चाहिए। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने छूटे हुए सड़को पर सफेद पट्टी और स्पीड ब्रेकर पर भी सफेद पट्टी लगवाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने उपस्थित समस्त अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्यक लगाये, तीन सवारी न चले, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने चिन्हित ब्लैक स्पाट वाले स्थलों का टीम गठित कर निरीक्षण कर वहां पर संकेत बोर्ड आदि लगवाने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने क्षेत्राधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि सड़क के किनारे अतिक्रमण एवं सड़क के किनारेध् ढाबो के किनारे भारी वाहन हटवाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को बच्चो को जागरूक करने हेतु हेतु निर्देश दिया गया। एन.एच. से लिंक रोड पर संकेताक बोर्ड लगवाने का निर्देश दिया गया। एआरएम रोडवेज को बस चालको के हेल्थ परीक्षण के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया बचे हुए चालको का हेल्थ परीक्षण कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने दुर्घटना स्थल का निरीक्षण कर स्पष्ट रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी, अधिशासी अधिकारी की सयुंक्त टीम बनाकर ई–रिक्शा चलाने हेतु रूट निर्धारण करे इसके साथ–साथ खड़ा करने के लिए स्थल चिन्हित कर दे कही भी इधर–उधन खड़ा न होने दे। 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे ई–रिक्शा न चलाये। इस मौके पर उपरोक्त के अतिरिक्त अधिशासी अभियन्ता लो0नि0वि0 (प्रा0ख0) जितेन्द्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, तथा अन्य संबधित अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के नव नियुक्त पदाधिकारियों ने किया शपथग्रहण

अयोध्या। हैरिंग्टनगंज विकास खण्ड मुख्यालय पर सोमवार को उ0प्र0ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के नव नियुक्त पदाधिकारियों के शपथग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।जिसकी मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य इन्दूसेन यादव रहीं। ब्लॉक मुख्यालय के सभागार में आयोजित शपथग्रहण समारोह में संघ के नव नियुक्त अध्यक्ष अमरेंद्र प्रताप यादव मन्त्री संजय सिंह, कोषाध्यक्ष शिव कुमार कनौजिया, संगठन मन्त्री राकेश पाल,सम्प्रेक्षक देवी दयाल को संगठन के प्रति निष्ठा एवं इमानदारी से कर्तव्य पालन की शपथ दिलाई गई। समारोह में मुख्य अतिथि सहित उपस्थित अधिकारियों और नव नियुक्त पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया।शपथग्रहण समारोह में मुख्यरूप से एडीओ पंचायत अरविन्द कुमार, एडीओ आईएसबी अविनाश चतुर्वेदी, एडीओ को–आपरेटिव अवधेश कुमार वर्मा सचिव मुकेश मौर्या, जय सिंह यादव, विनोद कुमार, राकेश कुमार वर्मा, विमल कुमार, देवेन्द्र कुमार पान्डेय, भूपेन्द्र तिवारी, संतोष कुमार यादव संघ के वरिष्ठ कार्यवाहक अध्यक्ष रामदेव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राज कुमार शर्मा, ब्लॉक संरक्षक शैलेन्द्र कुमार ब्लॉक को–आर्डिनेटर राम कुमार, राम सिंह, वरिष्ठ सलाहकार देव प्रकाश वर्मा, राजेन्द्र वर्मा, देवी प्रसाद सहित सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवध विवि की एनईपी स्नातक व परास्नातक विषम सेमेस्टर की परीक्षा सकुशल सम्पन्न

(अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की स्नातक एवं परास्नातक विषम सेमेस्टर की परीक्षा बुधवार को सकुशल सम्पन्न हो गई। विवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के दिशा–निर्देशन में विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों की एनईपी परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए सात जनपदों में कुल 464 केन्द्र बनाये गए थे। तीन पालियों की परीक्षा सीसीटीवी कैमरे व सचलदल की निगरानी में कराई गई। विश्वविद्यालय द्वारा दिसम्बर तृतीय सप्ताह में स्नातक व जनवरी के माह में परास्नातक परीक्षा शुरू हुई थी। इस परीक्षा में कुल पाच लाख 55 हजार परीक्षार्थी शामिल रहे। स्नातक की परीक्षा में चार लाख 52 हजार 584 परीक्षार्थी शामिल रहे। जिनमें 205890 छात्र व 246694 छात्राएं रही। वहीं विश्वविद्यालय की परास्नातक परीक्षा में 102750 परीक्षार्थी सम्मिलित रहे। जिनमें 33052 छात्र व 69698 छात्राएं रही। विवि के परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने बताया कि विश्वविद्यालय की तीन पालियों की विषम सेमेस्टर की परीक्षा सकुशल सम्पन्न हो गई है। इसके अतिरिक्त आवासीय परिसर के नॉन एनईपी स्नातक वोकेशल की परीक्षाएं भी सम्पन्न हो गई है। एनईपी परीक्षा के अंतिम दिन दो पालियो में 77197 परीक्षार्थी शामिल हुए। जिनमें 1458 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा में 21570 छात्र एवं 55627 छात्राएं रही। वहीं परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि एनईपी स्नातक बीएससी के फिजिक्स, कमेस्ट्री एवं मैथ विषय की कॉपियों का मूल्यांकन परीक्षकों द्वारा कराया जा रहा है। इसमें सौ से अधिक परीक्षक लगाये गए है। वहीं बीकॉम की कॉपियों का मूल्यांकन सम्पन्न हो चुका है।

नामधारी सिखों ने अयोध्या में अपने आराध्य सतगुरु राम सिंह जी का प्रकाशोत्सव मनाया

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। नामधारी सिखों ने अयोध्या में अपने आराध्य सतगुरु राम सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया, हम नामधारी सिख सतगुरू राम सिंह जी को भगवान रामचंद्र जी का अवतार मानते हैं, सिख सतगुरू राम सिंह जी को भगवान रामचंद्र जी का अवतार मानते हैं। सतगुरु दलीप सिंह जी)थे स नामधारी पंथ के संस्थापक, स्वतंत्रता संग्राम के आरंभक, महान क्रांतिकारी सतगुरु राम सिंह जी का प्रकाशोत्सव, नामधारी संगत ने अयोध्या में शोभा यात्रा निकाल कर राम मंदिर में दर्शन करके मनाया। क्योंकि, नामधारी सिख, सतगुरु राम सिंह जी को भगवान रामचन्द्र जी का ही रूप मानते हैं। इस अवसर पर सतगुरु राम सिंह जी के वंशज, वर्तमान नामधारी मुखी, सतगुरु दलीप सिंह जी ने संदेश के माध्यम से, गुरुवाणी के प्रमाण दे कर भगवान रामचंद्र जी तथा सिख गुरु साहिबान को एक ही रूप सिद्ध कियारू "त्रेते सतिगुर राम जी रारा राम जपे सुख पावै" "तिन बेदीयन की कुल बिखै प्रगटे नानक राए"य इत्यादि पंक्तियों के आधार पर भगवान रामचंद्र जी हमारे 'सतगुरु' तथा सिख गुरु साहिबान के पूर्वज हैं। वर्तमान नामधारी सतगुरु जी ने बताया कि सतगुरु राम सिंह जी का आदेश है "सभी को विद्या दान दीजिए। क्योंकि, विद्या दान सर्वोत्तम दान है"। इस कारण, उन्होनें सभी से विनती की "सभी भारतीय प्रतिदिन आधे घंटे के लिए अपने अनपढ़ भाई, बहनों, बच्चों को पढ़ाना आरंभ कीजिए। ऐसा करने से, दो वर्ष में ही पूरा भारत वर्ष साक्षर हो जाएगा" । हरदीप सिंह 'राजा' ने बताया कि सतगुरु राम सिंह जी ने 1857 की वैसाखी पर खालसा पंथ की पुनर्स्थापना करके, सतगुरु गोबिन्द सिंह जी की शिक्षा दे करय देश तथा धर्म की रक्षा की भावना को दृढ़ करवाया। गुरु जी ने 1857 के गदर से पहले 'नामधारी सिख' संप्रदाय ('कूका आंदोलन') की नींव रखी। गुरु जी ने सर्वप्रथम अंग्रेजी वस्तुओं का बहिष्कार किया, जिस की 50 साल बाद गांधी जी ने नकल की। तेजेन्दर सिंह ने बताया कि सतगुरु राम सिंह जी ने अंग्रेजी सरकार के समानांतर अपनी सरकार बनाई। नेपाल और कश्मीर में 'कूका रेजीमेंट' बना कर अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध की तैयारी की। अंग्रेजों को भारत से निकालने के लिए रूस के साथ संबंध स्थापित किए। गुरू जी की प्रेरणा से हजारों नामधारी सिखों ने देश की स्वतंत्रता हेतु महान बलिदान दिए। उन्होंने बताया कि सतगुरु राम सिंह जी ने सर्वप्रथम ऐसे सामाजिक–धार्मिक कार्य आरंभ किये, जो पूरे विश्व में पहले किसी ने भी नहीं किए थे। जैसेरू विवाह के लिए न्यूनतम 18 वर्ष की आयु निर्धारित करके बाल विवाह बंद किए। स्त्रियों के सुख, सत्कार तथा सुरक्षा के लिए विधवा विवाह करवाना आवश्यक किया। सिख पंथ में पहली बार, जून 1863 को स्त्रियों को अमृत पान करवाया और आनंद कारज की मर्यादा आरंभ की। सादे सस्ते बिना किसी खर्च के, अन्तर्जातीय विवाह आरंभ करवाए। दहेज लेना–देना सख्ती से मना किया। लड़कियां बेचना, लड़कियां मारना सख्ती से बंद किया। माता हुकमी जी को 'सूबा' (गवर्नर) की पदवी दे करय स्त्री जाति को समाज में उच्च स्थान दिया। वर्णन योग हैरू सिख जगत में से पूर्ण रूप से केवल नामधारी संप्रदाय (सतिगुरु दलीप सिंह जी के नेतृत्व वाला गुट) ही खुलकर राम मंदिर के समर्थन में आया है। सतगुरु दलीप सिंह जी बहुत वर्षों से प्रत्येक स्थान पर अपने भाषणों तथा वीडियो संदेश के माध्यम से खुल कर राम मंदिर का समर्थन कर रहे हैं। नामधारी सिख पिछले कई वर्षों से जन्म स्थान अयोध्या में आ कर ही रामनवमी मना रहे हैं। राम मंदिर उद्घघाटन के उपलक्ष्य में नामधारी सिखों ने अयोध्या में पिछले एक महीने से लंगर लगाया हुआ है और आगे भी लंगर चलता रहेगा। शोभा यात्रा दौरान पूज्य बिहारी दास जी, श्री महंत परशुराम दास जी एवं अन्य हिन्दू संतजन विशेष रूप से शामिल हुए तथा इन संतजनों ने भी सतगुरु राम सिंह जी की शोभा में कीर्तन किया। इस मौके पर सूबा अमरीक सिंह, सूबा रतन सिंह, मुख्तियार सिंह यू पी, जसवीर सिंह, रतनदीप सिंह, सुखराज सिंह, सिमरनजीत कौर, राजपाल कौर, शिखा सोनी, अंजली जैसवाल, बलविंदर कौर, दलजीत कौर, परमजीत कौर, नीना कौर आदि भी उपस्थित थे।

बसंत पंचमी के पावन पर्व पर एस0 के0 डी0 एकेडमी में पूजन, हवन और भंडारे का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बसंत पंचमी के पावन पर्व पर एस0 के0 डी0 एकेडमी की आई0 एस0 सी0 बोर्ड शाखा राजाजीपुरम में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी उज्जवल धवला माँ शारदे की भव्य प्रतिमा की स्थापना व पूजन किया गया। इस उपलक्ष्य पर एस.के.डी. समूह के चेयरमैन श्री एस.के.डी. सिंह ने अपने आशीर्वचन में सभी को शुभकामनाएं दी और कहा कि विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की कृपा सदा सर्वत्र बनी रहें। उन्होंने जे.ई.ई. मेन्स के प्रथम सेशन में 90 प्रतिशत से अधिक स्कोर करने वाले संस्थान के सभी 19 छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि माँ सरस्वती की कृपा से ही हमें कोई भी सफलता प्राप्त होती है। इस मौके पर समूह के निदेशक श्री मनीष सिंह ने कहा कि इस समूह का सिद्धान्त "ज्ञानाधीनं जगत् सर्व" पर आधारित है जिसका अर्थ है कि यह सारा जगत ज्ञान के ही अधीन है और ज्ञान के बिना अधंकार है । उन्होंने आगे कहा कि विश्व में ज्ञान से ही प्रेम, सुख और शान्ति आ सकती है । इस अवसर पर छात्र–छात्राओं में संस्कृतिक संस्कारों के अंकुरण हेतु गायत्री परिवार द्वारा विद्यालय प्रांगण में पंचकुण्डीय हवन का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रांगण मे सभी लोग भक्ति रस में डूबे दिखे। पूजा के पश्चात भजन कीर्तन का कार्यक्रम हुआ जिसमें गायत्री परिवार के सदस्यों और अध्यापक–अध्यापिकाओं ने भजन प्रस्तुत किये। समारोह के अन्त में प्रसाद वितरण और भण्डारे का आयोजन हुआ। इस अवसर पर एस0 के0 डी0 ग्रुप की उप निदेशक श्रीमती निशा सिंह, सह निदेशक श्रीमती कुसुम बत्रा, सह निदेशक श्री डी. के. सिंह एवं सभी शाखाओं की प्रधानाचार्या, उप प्रधानाचार्या, शिक्षकगण, सभी शाखाओं के विद्यार्थी, उनके अभिभावक और राजाजीपुरम के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अवध विवि के अहिल्याबाई होल्कर छात्रावास में कुलपति ने किया सरस्वती पूजन

छात्र–छात्राएं जीवन में ज्ञान की ज्योति जलाएं–कुलपति

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सरस्वती पूजन किया गया। बुधवार को अहिल्याबाई होल्कर छात्रावास में विवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने छात्राओं के साथ विधि मंत्रोचार के साथ सरस्वती पूजन किया। इस पूजन कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र, वार्डन डॉ0 गीतिका श्रीवास्तव, डॉ0 स्वाति सिंह, गायत्री वर्मा शामिल रही। इस पूजन कार्यकम से पहले छात्रावास की छात्राओं द्वारा कुलपति सहित अन्य का स्वागत पुष्पगुच्छ भेटकर किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि ज्ञान, संगीत और कला की अधिष्ठात्री मॉ सरस्वती सभी के लिए मार्ग प्रशस्त करें। सभी छात्र–छात्राएं अपने जीवन में ज्ञान की ज्योति जलाएं रखे। इसके लिए स्वाध्याय की आवश्यकता है। इस पूजन कार्यक्रम का सफल बनाने में आशु शुक्ला, दिव्या सिंह, तन्या सिंह, अर्पिता सिंह, प्रिंसी यादव, प्राची तिवारी, श्रेया सिंह, हर्षिता मौर्या, श्रद्धा सिंह, रितिका सिंह, लक्ष्मी सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्राएं एवं महिला कर्मचारी उपस्थित रहे।

निर्धारित समयावधि के बाद भी लावारिस बुजुर्ग का नहीं हुआ पीएम

अयोध्या। विभागीय नियमों के तहत शिनाख्त के लिए 72 घंटे की निर्धारित मियाद पूरी होने के बावजूद पुलिस ने लावारिश बुजुर्ग के शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया।जबकि जिला अस्पताल प्रशासन की ओर से चार दिन पूर्व एक लावारिश बुजुर्ग के शव का पोस्टमार्टम तथा शिनाख्त आदि की कार्रवाई के लिए पुलिस को पत्र भेजा गया था। अब जिला अस्पताल प्रशासन ने फिर से रिमाइंडर भेजा है। बताते चलें कि नगर कोतवाली के सिविल लाइन स्थित रोडवेज बस डिपो के पास 10 फरवरी की सुबह एक अज्ञात 70 वर्षीय बुजुर्ग मिला था।108 एंबुलेंस के ईएमटी हरिशंकर ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया तो इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने बुजुर्ग को मृतक घोषित कर शव को अग्रिम विधिक कार्रवाई के लिए मोर्चरी में रखवा दिया तथा पोस्टमार्टम, शिनाख्त व अन्य विधिक कार्रवाई के लिए मेमो नगर कोतवाली पुलिस को भेजवाया था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।